twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 01 सितम्बर, 2025 | वर्ष: 01, अंक: 04, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- 09/- दिव्य दिल्ली (इंग्लिस पेपर सहित)

चीन: एससीओ के इतर में मोदी-शी की अहम वार्ता

पीएम सैनिकों की वापसी से सीमा पर शांति आई: मोदी, ड्रैगन और हाथी साथ आएं: जिनपिंग

नई दिल्ली/तियानजिन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के इतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से वार्ता की। यह उनकी लगभग दस माह बाद हुई पहली द्विपक्षीय वार्ता है। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शुरूआती वक्तव्य में कहा कि पिछले वर्ष कजान में हुई वार्ता ने भारत-चीन संबंधों को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने उल्लेख किया कि सीमा पर हुए डिसइंगेजमेंट के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है। मोदी ने जोर दिया कि यह माहौल दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। मोदी ने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू हो गई है। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का माध्यम भी है। उन्होंने इसे आपसी विश्वास और सहयोग का प्रतीक बताया। यह निर्णय दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों की पुनः शुरूआत हो रही है। उन्होंने इसे व्यावसायिक, सांस्कृतिक और जनसंपर्क के लिए अहम कदम बताया। मोदी ने कहा कि इस सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हैं और यह पूरी मानवता के कल्याण की दिशा में योगदान करेगा। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत-चीन संबंध आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता पर आधारित होंगे। उन्होंने चीन की सफल एससीओ अध्यक्षता पर बधाई दी और आमंत्रण के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सहयोग और संवाद से दोनों देशों के रिश्ते नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं।

सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति का माहौल बना: मोदी

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'पिछले साल कजान में हमारी बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई थी, जिससे हमारे संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है।'

'कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमारे विशेष प्रतिनिधियों के बीच सीमा प्रबंधन को लेकर समझौता हो गया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू कर दी गई है। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी बहाल की जा रही हैं। हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। इससे पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

'चीन आने के निमंत्रण और बैठक के लिए धन्यवाद'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की चीन की ओर से सफल अध्यक्षता के लिए आपको बधाई देता हूं। चीन आने के निमंत्रण और आज हमारी बैठक के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।'

ड्रैगन-हाथी का साथ आना बहुत जरूरी: जिनपिंग

तियानजिन (चीन)। चीन के तियानजिन में हो रही शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट से इतर रविवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान अपने शुरूआती संबोधन में राष्ट्रपति जिनपिंग ने दोनों देशों के बीच दोस्ती की जरूरत बताई। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक रविवार सुबह साढ़े 9 बजे (भारतीय समयानुसार) दोनों देशों के नेताओं के बीच शुरू हुई बैठक 40 मिनट चली।इस दौरान जिनपिंग ने कहा कि चीन और भारत दुनिया की दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं। दोनों दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं।

दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन-हाथी का साथ आना बहुत जरूरी है।"' इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शुरूआती संबोधन में कहा, पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत सार्थक चर्चा हुई थी। हमारे संबंधों को एक सकारात्मक दिशा मिली है। सीमा पर डिसएंगेजमेंट के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवा भी फिर से शुरू की गई है। हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 बिलियन लोगों के हित जुड़े हुए हैं। इससे पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट: सात की मौत

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

सरकार अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध: भजनलाल

जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम की 125वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों से वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहारी सीजन में आमजन उपहार, पहनावे, सजावट और रोशनी में स्वदेशी को गर्व से अपनाएं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया का ध्यान भारत की तरफ है। भारत में छिपी संभावनाओं पर दुनिया-भर की नजर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विश्व के सभी हिस्सों में प्रभाव बढ़ा है और रामायण और महाभारत के प्रति प्रेम और श्रद्धा में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संबोधन आमजन में नई ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त सेतु बना 'मन की बात' कार्यक्रम: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को रामलीला मैदान में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम में सुना। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी सहित पार्टी के अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। 'मन की बात' सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'मन की बात' आज केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। यह संवाद प्रधानमंत्री और देश की जनता के बीच विश्वास, विचार और सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त सेतु बन चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारतीय संस्कृति, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग, प्रतिभा सेतु, सौर ऊर्जा जैसे विषयों पर बात की। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में कहा कि इटली हो, कनाडा हो या फिर रूस, आज दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भारतीय संस्कृति और रामायण के प्रति जो गहरा लगाव देखने को मिल रहा है, वो हम सभी को गौरवान्वित करने वाला है। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्योहारी मौसम में स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने की देशवासियों से अपील की।

मन की बात: एक ही मंत्र 'वोकल फॉर लोकल', एक ही रास्ता 'आत्मनिर्भर भारत: पीएम मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि वर्षा ऋतु के इस मौसम में प्राकृतिक आपदाओं ने देश की बड़ी परीक्षा ली है। बाढ़ और भू-स्खलन से घर और खेत उजड़ गए, पुल-सड़कें बह गईं और कई परिवार संकट में फंस गए। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजन खोए हैं, उनका दुख पूरे देश का दुख है। प्रधानमंत्री ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान और सुरक्षा बल दिन-रात राहत कार्य में जुटे रहे। तकनीक का उपयोग करते हुए तापीय कैमरे, जीवित अन्वेषक यंत्र, खोजी कुत्ते और मानवरहित यान निगरानी से खोज और बचाव कार्य तेज किए गए। हेलीकॉप्टर से राहत सामग्री पहुँचाई गई और घायलों को वायुयान द्वारा निकाला गया।

उन्होंने सेना, चिकित्सकों, प्रशासन और आम नागरिकों द्वारा संकट की घड़ी में निभाई गई भूमिका की सराहना की। 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने आज प्राकृतिक आपदाओं, जम्मू-कश्मीर की उपलब्धियों, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय संस्कृति के प्रदर्शन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, युवा, सिविल सेवाएं और वैश्विक स्तर पर भारत की उपलब्धियों और त्योहारों में स्वदेशी के महत्व पर विचार व्यक्त किए। प्रगति के पथ पर अग्रसर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की हाल ही में हासिल की गई दो उपलब्धियों का प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पुलवामा में पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच खेला गया। रॉयल प्रीमियर लीग के अंतर्गत हुए इस आयोजन में रिकॉर्ड संख्या में लोग जुटे।

दावा: 'भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर भी हाथ पीछे खींचें

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास आने लगी है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का क्रेडिट न मिलने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के दशकों पुराने रिश्तों को तार-तार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिका का रवैया देखने के बाद भारत ने भी झुकने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं, अब खबर सामने आ रही है कि भारत, अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर भी हाथ पीछे खींच सकता है।

ट्रंप के दावों को किया खारिज

देश के पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने कई बड़े दावे किए हैं। उनका कहना है कि ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि रूस से सस्ते दाम पर तेल खरीदकर भारत तगड़ा मुनाफा कमा रहा है। हालांकि, ट्रंप का यह बयान महज एक राजनीतिक स्टंट है, आर्थिक वास्तविकता कुछ और ही है।

रूस से तेल खरीदने पर भारत को कितना मुनाफा?

सुभाष गर्ग के अनुसार, रूस से तेल खरीदने पर भारत को साल भर में 2.5 बिलियन डॉलर (तकरीबन 2.22 लाख करोड़) की बचत हो रही है। ट्रंप इन आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं और भारत पर टैरिफ लगाने के लिए इसे हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रूस से तेल का गणित समझाते हुए पूर्व वित्त सचिव ने कहा कि रूस से भारत 3-4 डॉलर (264-352 रुपये) प्रति बैरल के हिसाब से तेल खरीदता है।

'भारत को यूक्रेन युद्ध में अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाना चाहिए'

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड की अपनी समकक्ष एलिना वाल्टोनन के साथ फोन पर बातचीत के बाद कहा कि यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भारत को अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्री की इस टिप्पणी को अमेरिका के उन आरोपों के संदर्भ में देखा जा रहा है कि भारत रियायती मूल्य पर रूस से कच्चा तेल खरीदकर मास्को की 'युद्ध मशीन' की सहायता कर रहा है।

हमने हमेशा बातचीत और कूटनीति का समर्थन किया- जयशंकर

जयशंकर ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा-'हमारी चर्चा यूक्रेन युद्ध और उसके परिणामों पर केंद्रित रही। इस संदर्भ में भारत को अनुचित तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हमने हमेशा बातचीत और कूटनीति का समर्थन किया है।' व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने इस सप्ताह कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाया गया 50 प्रतिशत शुल्क केवल भारत के अनुचित व्यापार के बारे में नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मॉस्को की युद्ध मशीन को भारत द्वारा दी जा रही वित्तीय जीवन रेखा को काटना भी है। भारत पहले ही आरोपों को खारिज कर चुका है। देखने वाली बात ये है कि अमेरिका ने आश्चर्यजनक रूप से चीन की आलोचना नहीं की है जो रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक है।

बंगाल में एसआइआर की चर्चा से मचा हड़कंप, मुस्लिम बहुल जिलों में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लगी होड़

कोलकाता

केंद्रीय चुनाव आयोग ने बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की तैयारियां तेज कर दी हैं। मतदाता सूची के संशोधन के लिए काम शुरू हो गया है। इस कड़ी में बंगाल के सीमावर्ती मुस्लिम बहुल जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर व दक्षिण दिनाजपुर में एसआइआर से पहले जन्म प्रमाण पत्र के लिए लोगों में होड़ लगी है। नगर पालिकाओं, ग्राम पंचायतों और अदालतों में लोग 10 रुपये प्रति स्टांप पेपर की सामान्य कीमत से दोगुना भुगतान करके जन्म प्रमाण पत्र को सही कराने, डिजिटल कराने या नए जारी कराने के लिए सुबह से ही कतार में खड़े दिख रहे हैं। उन्हें डर यह है कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का अभियान चलाया जा सकता है।

पंजाब के 1000 से ज्यादा गांवों में बाढ़, हिमाचल में मणिमहेश यात्रा रोकी

पठानकोट/देहरादून/दिल्ली

पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है रावी नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरदासपुर के घोनेवाले में धुस्सी बांध टूट गया। इसके चलते पानी करीब 15 किलोमीटर दूर अजनाला शहर तक पहुंच गया। बाढ़ की वजह से 80 गांव पानी में डूबे हैं। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई।

एक महिला लापता है। कटरा में वैष्णो देवी यात्रा 6 दिन से रुकी है। इधर, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में मणिमहेश यात्रा रोकी गई है। इसमें अब तक 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है, 4 अभी भी लापता हैं और 7 अन्य घायल हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से 18 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 774 मकान बारिश में ढह चुके हैं। बलिया में गंगा किनारे तेजी से कटान हो रहा है। इसके चलते 24 घंटों में चक्की नौरंगा और भगवानपुर क्षेत्र के 24 मकान गंगा में समा गए।

यूपी: फरुर्खाबाद में सड़क बही, ग्रामीओं ने अस्थाई पुल बनाया

फरुर्खाबाद में गंगा नदी उफान पर है। 50 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। भुढ़िया भेड़ा में सड़क बाढ़ में बह गई। इसके बाद ग्रामीण नाव से आवागमन कर रहे थे, लेकिन तेज बहाव के कारण दिक्कतें आ रही थीं। अब ग्रामीणों ने यूकेलिप्टस (सफेदा) के पेड़ डालकर अस्थायी पुल बनाया है।

पंजाब: बाढ़ का कहर जारी, ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ा

पंजाब में इस समय सतलुज, ब्यास और रावी नदियां अपने उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश के चलते नदियों में बाढ़ का पानी बढ़ा है। इससे स्थिति और बिगड़ रही है। कपूरथला कमिश्नर अमित कुमार पंचाल ने बताया कि तेज बारिश के कारण ब्यास नदी का जलस्तर बढ़कर 2.35 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों में रहने वाले लोग तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। मौसम विभाग ने भी जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भारत-चीन सीमा के ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग पर पुल बहा, कई गांवों का संपर्क कटा

एजेंसी

देहरादून। चमोली के सीमांत क्षेत्र को जोड़ने वाले ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग पर तमक नाला पर बना पुल बहने से मार्ग पूरी तरह अवरूद्ध हो गया है। सीमा सड़क संगठन मार्ग पर आवाजाही शुरू करने में जुटा है। चारधाम के मार्ग अभी बंद हैं। इसके मौसम विभाग ने प्रदेश के 8 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में लगातार मूसलाधार बारिश से आमजन जीवन पर भारी असर पड़ा है। इस दौरान चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर जिले में आपदा प्रभावित स्थानों पर तलाशी एवं बचाव का कार्य जारी है। रुक-रुक कर बारिश खोज एवं बचाव में बांधा उत्पन्न कर रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन राहत, खोज एवं बचाव कार्य में जुटा है। चमोली जनपद में देर रात से लगातार बारिश जारी है। बारिश के चलते जोशीमठ नीति घाटी को जोड़ने वाला सड़क तमक नाले के पास पुल बहने से पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है सामरिक दृष्टिकोण से यह सडक बेहद ही महत्वपूर्ण है, सीमा पार जाने वाले जवानों को महत्वपूर्ण वस्तुएं इसी सड़क मार्ग से होकर जाती है, वही क्षेत्र में रहने वाले छह से अगाधिक गांवों का संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। स्थानीय लोगों का कहना है पिछले एक माह से लगातार अलग-अलग जगहों पर सड़क टूटने से लोगों को बार-बार परेशानियों का सामना करना

पड़ रहा है हालाँकि प्रशासन का कहना है कि सड़क को सुचारु करने के लिए भी बीआरओ को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। वहीं, उत्तरकाशी गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थान धरासू, नेताला, चड़ेथी भटवाड़ी में मलबा व बोल्डर आने से अवरूद्ध हुआ है। बीआरओ मार्ग सुचारू करने में जुटा है। इसके अतिरिक्त हर्षिल और धराली के बीच मार्ग हल्के वाहनों के लिए सुचारु है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैण्ड के पास, झर्जर गाड जंगलचट्टी, बनास एवं नारदचट्टी में मार्ग अवरूद्ध है। कुमाऊं मंडल में शेर नाला और सूर्या नाला में पानी का अधिक प्रवाह होने से हल्द्वानी - चोरगलिया सितारगंज राज्य मार्ग बाधित है।

सात जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी

मौसम म विज्ञान केंद्र देहरादून ने आज देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत व ऊधमसिंहनगर में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अलकनंदा, गंगा, यमुना, सरयू, गोमती, पिंडर, काली नदी के तटों पर रह रहे लोगों को चेतावनी जारी की गई है। पुलिस लगातार लाउडस्पीकर से लोगों को सतर्क कर रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिलों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं।

जयशंकर ने फिनलैंड की विदेश मंत्री से टेलीफोन पर की बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपनी फिनलैंड की समकक्ष एलीना वालटोनेन से टेलीफोन पर बातचीत की। यह चर्चा यूक्रेन में जारी संघर्ष को लेकर तथा उसके प्रभाव पर केंद्रित रही। डॉ. जयशंकर ने इस बातचीत की जानकारी एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि आज फिनलैंड की विदेश मंत्री एलीना वालटोनेन के साथ हमारी चर्चा यूक्रेन संघर्ष और उसके परिणामों पर केंद्रित रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का रुख हमेशा से विवादों के संवाद और कूटनीति के जरिए समाधान का रहा है और इस संदर्भ में भारत को अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रूस से तेल खरीद के मुद्दे पर अमेरिका भारत को यूक्रेन संघर्ष में भागीदार बताते हुए टैरिफ लगा रहा है। विदेश मंत्री की बातचीत में इसी बात की और इंगित किया गया है।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे : जितेंद्र सिंह ने बताया, भूस्खलन के बीच प्रशासन अवरुद्ध सड़क खोलने के प्रयास में जुटा

जम्मू। उधमपुर के बानी नल्लाह में अवरुद्ध जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे को आवश्यक वाहनों के लिए खोला गया था। लेकिन थाड से पहले का पाइंट भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया, प्रशासन यातायात सामान्य करने में जुटा हुआ है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को इसकी पुष्टि की। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे, जो कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है, भारी बारिश और भूस्खलन के कारण बार-बार बाधित हो रहा है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि बानी नल्लाह में भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हुए इस हाईवे को जिला प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के संयुक्त प्रयासों से आवश्यक वाहनों के लिए खोल दिया गया था। लेकिन प्रकृति की मार ने राहत को ज्यादा देर टिकने नहीं दी। थाड में भारी बारिश के कारण दोबारा भूस्खलन हुआ, जिससे सड़क फिर से बंद हो गई। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी, उधमपुर की जिला कलेक्टर (डीसी) सलोनी राय और उनकी टीम ने खराब मौसम के बावजूद दिन-रात मौके पर डटकर काम किया हैं। उन्होंने बताया कि अगले चार से पांच घंटों में सड़क को आंशिक रूप से खोलने की उम्मीद है, ताकि आवश्यक वाहनों का आवागमन शुरू हो सके। स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई की मशीनरी पूरे जोर-शोर से मलबा हटाने और सड़क को सुरक्षित बनाने में जुटी है। यह हाईवे न केवल यात्रियों के लिए, बल्कि सामान और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति के लिए भी महत्वपूर्ण है। भूस्खलन के कारण फंसे यात्रियों और स्थानीय लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी शुरू की हैं।

भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और इसके लिए कुर्बानी देती है : गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता गिरिराज सिंह ने रविवार को स्पष्ट कहा कि भाजपा किसी को इस्तेमाल नहीं करती। भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और राष्ट्र के लिए कुर्बानी देती है। पटना में पत्रकारों से बातचीत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा भाजपा को इस्तेमाल करके छोड़ देने वाली पार्टी बताए जाने पर उन्होंने कहा कि पता नहीं कब उन्हें इस्तेमाल किया गया वह जानते होंगे 'यूज एंड थ्रो'। उन्होंने कहा कि इस्तेमाल चीज़ बहुत खतरनाक होती है। किसको इस्तेमाल किया और किसको छोड़ा, ये बात अखिलेश ही जानते होंगे। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित में काम करती है और राष्ट्र के लिए कुर्बानी देती है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने बिहार आए थे और भाजपा पर जमकर निशाना साधा था। भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महुआ मोइत्रा के एक बयान को लेकर कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी का दुर्भाग्य है। इतना घटिया बयान देने के बाद ममता बनर्जी को माफी मांगनी चाहिए, लेकिन मांगें क्योंउन्होंने टीएमसी को मुड़ कटवा पार्टी बताते हुए कहा, 'जब उनके खिलाफ कोई चुनाव जीत जाता है, तो उसे लटका देते हैं। लेकिन, किसी को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। हमारे गांव की कहावत है - सबसे ठठ्ठा, सबसे मजाक। लेकिन अब अगला शब्द नहीं कहूंगा, उससे मजाक नहीं करना चाहिए और यह मजाक बड़ा महंगा पड़ेगा।' चुनाव आयोग के तीन लाख लोगों को नोटिस भेजे जाने पर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ठीक ही कह रहा है कि भारत का जो नागरिक है, यही वोट देगा।

समाज में अपनत्व को जगाने का कार्य स्वयंसेवक करता है: डॉ. भागवत

एजेंसी

बिलासपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संघचालक स्व. काशीनाथ गोरे के जीवन कृतित्व पर केंद्रित स्मारिका का विमोचन के अवसर पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने वे (काशीनाथ) रत्नदीप के समान समाज के उत्तम लोगों में थे, अच्छा काम करने में यश की भी अपेक्षा उन्हें नहीं थी।

आद्य सरसंघचालक डॉक्टर साहब कहा करते थे, स्वयंसेवक का व्यक्तित्व ऐसा होता है, जो लोगों को आकर्षित करता है। काशीनाथ जी से एक बार यदि कोई मिल लेता था तो उसके साथ एक आत्मीयता बन जाती है। समाज में अपनत्व को जगाने का कार्य स्वयंसेवक करता है। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ सांघिक गीत व भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्जवलन से हुआ। स्मारिका विमोचन समिति के सचिव विश्वास

जलताड़े ने मंचस्थ अतिथियों का परिचय कराया। सरसंघचालक डॉ भागवत ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूज्य गुरु जी कहा करते थे संघ में साधारण स्वयंसेवक सबसे महत्वपूर्ण है। एक घंटे की शाखा के बाद भी 23 घंटे उसका जीवन समाज के लिए उपयोगी होता है। संघ स्वयंसेवकत्व से चलता है। सभी बाधाओं व चुनौती में संघ को स्वयंसेवक ने बढ़ाया, संघ को अर्थात राष्ट्र व समाज को बढ़ाया। समाज में अपनत्व को जगाने का कार्य स्वयंसेवक करता है। प्रेम देकर शुद्ध सात्विक कार्य स्वयंसेवक विकसित करता है। अच्छे स्वयंसेवक के बारे में यही कहा जाता है कि वह अनुशासित, कर्मठ है. समाज में हो या घर में वह बिना मांगे सबकी सहायता करता है। केंद्रित स्मारिका का विमोचन के अवसर पर उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज जैसा पराक्रम सब चाहते हैं लेकिन उसे अर्जित करना कठिन है। एक व्यक्ति के नाते परिवार को सूखी रखना, समाज को भी संस्कारित करना है तो एक संतुलन चाहिए। ताना जी के सामने भी दुविधा आई थी कि कुटुंब को देखें या समाज को। मेरा कुल क्यों ठीक रहे, समाज हित के लिए, समाज राष्ट्र के लिए श्रेष्ठ बने। इसी चिंतन में सर्वे भवन्तु सुखिनः के दर्शन का साक्षात्कार होता है। ऐसी जिसकी प्राथमिकता सुनिश्चित हो जाती है, वह सबके लिए सज्जन शक्ति होते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की टेलीफोन पर बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान जेलेंस्की ने यूक्रेन से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की का धन्यवाद किया और संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान तथा शांति की शीघ्र बहाली के प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ और सतत रुख की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में हर संभव सहयोग देने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की और आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भविष्य में भी लगातार संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने बाद में एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को आज उनके फ़ोन कॉल के लिए धन्यवाद। हमने चल रहे संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत इस दिशा में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।'

नॉलेज और टेक्नोलॉजी साम्राज्यवाद का नया चेहरा : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्ध नगर में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई, एयरक्रॉफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण किया। भारतीय सशस्त्र बलों एवं पुलिस बल के लिए ड्रोन, मानव रहित यान के इंजन व अन्य सिस्टम का निर्माण करने वाली राफे एमफाइबर कंपनी के बनाए गए ड्रोन ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने प्रयोग किए थे। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हर देश की रक्षा टेक्नोलॉजी और ड्रोन पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पहले हमें ड्रोन बाहर से मंगाने पड़ते थे, लेकिन आज हम लोग खुद ड्रोन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी इस प्रगति में भारत के अनेक उद्योगपति हिस्सेदारी निभा रहे हैं। पहले जमीन के आसपास सत्ता घूमती थी, लेकिन 80 दशक के बाद उद्योग आर्थिक केंद्र बना। अब आर्थिक व्यवस्था का केंद्र उद्योग से निकलकर टेक्नोलॉजी की तरफ आ गया है। दुनिया में साम्राज्यवाद का नया चेहरा सामने आया है। पहले यहां धन और जमीन पर साम्राज्य होता था, लेकिन अब यह ज्ञान और

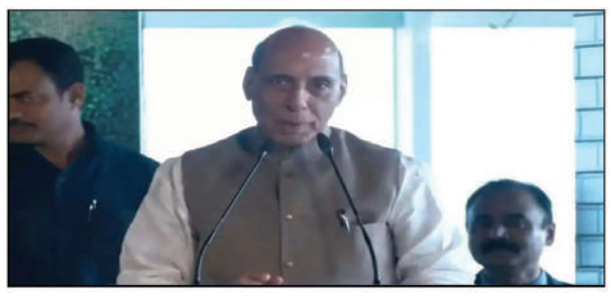

टेक्नोलॉजी पर निर्भर कर रहा है। भारत की हमेशा यही नीति रही है कि हम सबको साथ लेकर चलें। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए टेक्नोलॉजी और नवाचार में और काम करना होगा। इसी से हम अपना हित सुनिश्चित कर सकते हैं, तथा विश्व में अपना योगदान दे सकते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले उद्योग लगाने का माहौल नहीं था। यहां गुंडे, बदमाशों के बीच उद्योगों को सुरक्षा नहीं थी। अपराध, गुंडागर्दी, वसूली, रंगदारी और न जाने कितनी चुनौतियां उत्तर प्रदेश के उद्यमियों के सामने थीं,लेकिन आज मैं विश्वास के साथ कहना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ रहा है। यह प्रदेश कानून व्यवस्था के लिए नई सोच और नई नीतियों की पहचान बनता जा रहा है। यहां स्टार्टअप का ईको सिस्टम खड़ा हो रहा है। इन्वेस्टर आ रहे हैं। इन्वेस्ट मीट हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह का उत्साह उत्तर प्रदेश में देखने को मिला, वह किसी और राज्य में नहीं मिला। उन्होंने कहा कि नोएडा में आईटी पार्क, ऐरो स्पेस, फिल्म सिटी जैसे उद्योग स्थापित हो रहे हैं। यह सारे बदलाव भविष्य में उत्तर प्रदेश को नया स्वरूप देंगे। उन्होंने कहा कि यह दौर पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक नया और सुनहरा अध्याय है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर एयरक्रॉफ्ट शब्द सुनकर हम लोगों के कान में फाइटर प्लेन की तस्वीर सामने आ जाती है। उन्होंने कहा कि लेकिन आज के दौर में ड्रोन ने एयरोस्पेस सेक्टर में अपनी बड़ी भूमिका निभाई है।

भीलवाड़ा में सुविचार अभियान संगोष्ठी में भैयाजी जोशी बोले- गांव की परंपराओं से ही भारत का भविष्य सुरक्षित

एजेंसी

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश जोशी (भैयाजी) ने कहा कि गांव भारत की आत्मा हैं। एक-दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होना हमारी परंपरा रही है और यही हमारी सामाजिक ताकत है। आधुनिकता और औद्योगीकरण ने समाज को नई दिशा दी है, लेकिन संतुलन खोने से संकट भी बढ़ा है। इसलिए हमें विज्ञान और प्रकृति के बीच तालमेल बनाकर चलना होगा। भैयाजी आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में आयोजित सुविचार अभियान की द्वि-दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में गांव आत्मनिर्भर हुआ करते थे, उनकी हर जरूरत गांव में

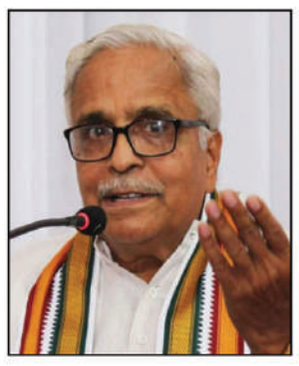

ही पूरी हो जाती थी। परंतु औद्योगीकरण के चलते गांवों की व्यवस्था डगमगाई है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि भारत में कॉर्पोरेट मार्केट आया है, लेकिन कॉर्पोरेट एग्रीकल्चर नहीं। कृषि उत्पादन के बल पर ही किसान मजबूत हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की जलवायु विविधतापूर्ण है, कश्मीर से कन्याकुमारी तक विभिन्न प्रकार की जलवायु यहां मौजूद है। लेकिन उद्योग प्रधान व्यवस्था के कारण हमने प्रकृति के साथ अन्याय किया है। भूमिगत जल, नदियां और वायु प्रदूषित हो गई हैं। आज हवा बनाने वाली कोई फैक्ट्री नहीं है। हवा में घुलते जहर से इंसान कैसे बचेगा? यह प्रश्न हम सबके सामने है। भारतीय परंपरा में धरती को धरती माता और भारत माता कहा गया है, लेकिन स्वार्थवश हम इसका शोषण कर रहे हैं। वंदे मातरम् और भारत माता की जय केवल नारे नहीं, बल्कि इस भूमि से आत्मीय संबंध का उद्घोष है। शासन और समाज दोनों को मिलकर संतुलित व्यवस्था कायम करनी होगी। उन्होंने चेताया कि जब से विज्ञान प्रकृति के विपरीत चला, समस्याएं बढ़ी हैं। इसलिए विज्ञान और प्रकृति के सामंजस्य से ही चेतन जगत की सुरक्षा संभव है। भारतीय चिंतन हमेशा जितनी आवश्यकता उतना ही उपभोग के सिद्धांत पर आधारित रहा है। यही सोच आज विश्व को भारत से सीखनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने तीन तस्करों को किया गिरफ्तार, 1 किलो से अधिक हेरोइन बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान तस्करों के पास से 1.012 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 4 करोड़ रुपए है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, 29 अगस्त को गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने सबसे पहले भलस्वा डेयरी इलाके के कलांदरा कॉलोनी, सर्विस रोड से एक महिला को दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार महिला की पहचान अफसाना (23), पत्नी अब्दुल माजिद उर्फ चिंटू, निवासी सी-571, ब्लॉक-सी, जहांगीरपुरी के रूप में हुई। इस संबंध में एफआईआर संख्या 590/25 दर्ज की गई और अफसाना को गिरफ्तार किया गया। अफसाना से हुई गहन पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम ने देर रात छापेमारी कर दो सप्लायरों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में नरेंद्र (37) और उनकी पत्नी ज्योति उर्फ मानशी (35) शामिल हैं। दोनों फ्लैट नंबर-15, दूसरी मंजिल, राज कन्हैया अपार्टमेंट, ब्लॉक-ए, हिमगिरि एन्क्लेव, बुराड़ी, दिल्ली के निवासी हैं। नरेंद्र को परिवहन प्राधिकरण, बुराड़ी के सामने से उसकी स्कूटी के साथ पकड़ा गया, जबकि ज्योति उर्फ मानशी को उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी डाक सेवाएं निलंबित कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। डाक विभाग ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 100 डॉलर तक मूल्य के सभी प्रकार के डाक सामान, जिनमें पत्र, दस्तावेज और उपहार शामिल हैं, भेजने पर रोक लगा दी है।अपनी पूर्व अधिसूचना में डाक विभाग ने 100 डॉलर तक के मूल्य वाले पत्रों, दस्तावेजों और गिफ्ट को छोड़कर सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग को अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया था। विभाग ने कहा, अमेरिका जाने वाले डाक के परिवहन में वाहकों की असमर्थता और अनिर्धारित नियामक तंत्र को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने अमेरिका जाने वाले सभी प्रकार के डाक को पूरी तरह से निलंबित करने का निर्णय लिया है, जिसमें 100 डॉलर तक के मूल्य के पत्र/दस्तावेज और उपहार भी शामिल हैं।डाक विभाग ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से 30 जुलाई को जारी किए गए कार्यकारी आदेश पर ध्यान दिया है। इस आदेश के तहत, 29 अगस्त, 2025 से 800 डॉलर तक के सामान पर मिलने वाली 'शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट' छूट को खत्म कर दिया गया है।इसका मतलब है कि अब अमेरिका जाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय डाक पर, चाहे उसकी कीमत कुछ भी हो, उस पर कस्टम ड्यूटी लगेगी। यह शुल्क 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट' (आईईईईपीए) के तहत लिया जाएगा।भारत से ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म या सीधे उपभोक्ताओं को भेजे जाने वाले मुख्य

उत्पादों में कपड़े, छोटे आकार के कालीन, रत्न और आभूषण, वेलनेस उत्पाद, हस्तशिल्प, इलेक्ट्रॉनिक्स और जूते शामिल हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईआरओ) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, 'डी मिनिमिस छूट के खत्म होने के कारण मुझे लगभग एक महीने तक कारोबार में दिक्कत की उम्मीद है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद जिनपिंग ने कहा, 'ड्रैगन और हाथी अब आ जाएं साथ'

एजेंसी

तियानजिन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 7 साल बाद एक मंच पर मिले। दोनों के बीच करीब 50 मिनट तक बातचीत हुई। द्विपक्षीय वार्ता में कैलाश मानसरोवर यात्रा, सीमा समझौते और दोनों देशों के बेहतर होते रिश्ते पर बातचीत हुई। दोनों देशों के व्यावसायिक संबंधों को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। इस दौरान जिनपिंग ने कहा कि पीएम मोदी से मिलकर खुशी हुई।

जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों के लिए यह सही है कि ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में सहायक हों। ड्रैगन और हाथी एक साथ आएं। चीन और भारत दो प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम विश्व के दो सबसे अधिक

आबादी वाले देश हैं। हम ग्लोबल साउथ के भी अहम सदस्य हैं। हम दोनों अपने लोगों की भलाई के लिए जरूरी सुधार लाने और मानव समाज की प्रगति को बढ़ावा देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, 'मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई थी। हमारे संबंधों को एक सकारात्मक दिशा मिली। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद, शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। सीमा मुद्दे पर हमारे विशेष प्रतिनिधियों ने समझौता किया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है। दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट भी फिर से शुरू की जा रही है। वहीं, पीएम मोदी ने ये भी कहा कि हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 बिलियन लोगों के हित जुड़े हुए हैं। इससे पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली में मेवात का कुख्यात गैंगस्टर पप्पी उर्फ पप्पू गिरफ्तार, मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मेवात के कुख्यात गैंगस्टर पप्पी उर्फ पप्पू (37) को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। मौके से पुलिस ने एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की। दक्षिण-पूर्वीजिले के डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी ने शनिवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 29 अगस्त की रात एसटीएफ को सूचना मिली थी कि पप्पी बाइक पर तुगलकाबाद गांव रोड, ओखला इलाके में आने वाला है। पुलिस टीम ने घेराबंदी की। जैसे ही आरोपित वहां पहुंचा, उसने रुकने के बजाय बाइक छोड़कर पिस्टल निकाल ली और पुलिस पर फायरिंग कर दी। गोली कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। जिससे उनकी जान बच गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायर किया और आरोपित के पैर में गोली लग गई। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपित पप्पी उर्फ पप्पू मूल रूप से गांव सहसन, थाना जुरहेरा, जिला डीग (राजस्थान) का रहने वाला है। वह लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में सक्रिय था और हाल ही में उसने अपना गिरोह दक्षिण भारत तक फैला दिया था। साल 2018 में आरोपित ने उदयपुर पुलिस पर छापा मारने गई टीम पर भी फायरिंग की थी।

रोहिणी में पत्नी और सास की हत्या, पति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-17 स्थित एक फ्लैट में सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी और सास की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। मामला रोहिणी जिले के थाना केएन कार्टजू मार्ग इलाके का है। पुलिस के अनुसार, करीब 3:50 बजे पीसीआर को कॉल मिली कि रोहिणी सेक्टर-17 के जनता फ्लैट में दो महिलाओं की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस जब मौके पर पहुंची तो फ्लैट के अंदर दो शव खून से लथपथ पड़े मिले। जांच में मृतकों की पहचान कुसुम सिन्हा (63) और उनकी बेटी प्रिया सेहगल (34) के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके का मुआएना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के मुताबिक मृतका प्रिया के भाई मेघ सिन्हा (30) ने पूछताछ में बताया कि 28 अगस्त को प्रिया के बेटे चिराग का जन्मदिन मनाने के दौरान प्रिया और उसके पति योगेश सहगल में उपहारों को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद कुसुम सिन्हा अपनी बेटी के घर रुक गई थीं। जब मेघ ने अपनी मां से संपर्क करना चाहा तो कॉल रिसीव नहीं हुई।

अभाविप नीत डूसू दिल्ली विवि की छात्राओं को 'स्वयंसिद्धा' कार्यक्रम के तहत करेगा सम्मानित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) नीत दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ ने जानकारी दी कि एक सितंबर को 'स्वयंसिद्धा' कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। वर्ष 2014 से अभाविप नीत छात्रसंघ लगातार इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, ताकि विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट छात्राओं को सम्मानित किया जा सके। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों, एनसीसी, एनएसएस, ईसीए और खेलकूद के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा, जिनमें विश्वविद्यालय की छात्राएं भाग ले सकेंगी। इन प्रतियोगिताओं में रंगोली, संगीत, नाटक, कला, फेस पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग आदि शामिल होंगी। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगी।

ड्यूटी से लौट रहे दो भाइयों पर चाकू से हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के मालवीय नगर के खिड़की एक्सटेंशन में रात ड्यूटी से घर लौट रहे दो मौसेरे भाइयों पर चार बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए। इसमें एक की अस्पताल में मौत हो गई जबकि दूसरा एम्स ट्रॉमा सेंटर में वेंटिलेटर पर है। इस दौरान खून से लथपथ हालत में दोनों युवक काफी देर तक सड़क पर पड़े रहे। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरे को एम्स ट्रॉमा सेंटर में वेंटिलेटर पर रखा गया है। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 2.08 बजे मालवीय नगर पुलिस को खिड़की एक्सटेंशन के जे ब्लॉक में दो लड़कों को चाकू मारने की सूचना मिली। दोनों को मदन मोहन मालवीय अस्पताल ले जाया गया। वहां विवेक नामक युवक को मृत घोषित कर दिया गया वहीं अमन की गंभीर हालत देखते हुए उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। अस्पताल में अमन को वेंटिलेटर पर रखा गया है। मृतक की पहचान विवेक (19) के रूप में हुई है। घायल युवक का नाम अमन है। इस संबंध में पुलिस ने दो मुकदमा दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद हमलावरों ने इलाके में लूटपाट की वारदात को भी अंजाम दिया।

दिल्ली के खिलाड़ी ओलंपिक में पदक जीतकर तिरंगा फहराएं यही मेरा सपनाः रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के खिलाड़ी ओलंपिक में पदक जीतकर तिरंगा पूरी दुनिया में फहराएं, यही उनका सपना है। इसी सपने को साकार करने के लिए दिल्ली सरकार ने राजधानी के विजेता खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में प्रभावी बढ़ोतरी की है, साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं देने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने त्यागराज स्टेडियम में आयोजित संवाद सत्र में उभरते खिलाड़ियों और देश के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान दिल्ली सरकार की खेल नीति की भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, विधायक राजकुमार भाटिया व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेमृ2ा1श्र1श्र1श्रेऊ2।मुख्यमंत्री ने दिल्ली के प्रतिभावान छात्रों और

खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली और भारत का भविष्य इन्हीं युवाओं के हाथों में है, जो आने वाले समय में राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले चैंपियनों रवि दहिया, शरद कुमार, तेजस्विन शंकर, नारायण ठाकुर, नरेंद्र ग्रेवाल और प्रीतम रानी जैसी हस्तियों का विशेष उल्लेख किया और उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी पदक जीतता है तो वह सम्मान केवल खिलाड़ी या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे 140 करोड़ भारतीयों का होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खेलों को पहली बार वह सम्मान और संवैधानिक मान्यता मिली, जिसकी लंबे समय से आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि हाल ही में बनाए गए राष्ट्रीय खेल शासन कानून-2025 के माध्यम से खेलों को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने हमेशा खिलाड़ियों का सम्मान सुनिश्चित करने और उन्हें उचित अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछली सरकार द्वारा खेलों और खिलाड़ियों को उचित महत्व नहीं दिया जाता था, न पुरस्कार राशि बढ़ाई जाती थी और न ही खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि, सुविधाओं और संसाधनों में बड़ा सुधार किया है।

कालकाजी मंदिर में सेवादार की हत्या के मामले में दो और आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालकाजी मंदिर में सेवादार की हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। इस मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपित अतुल पांडेय के बाद अब जिले की एसटीएफ पुलिस ने दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तुगलकाबाद निवासी मोहन उर्फ भूरा (19) और तुगलकाबाद निवासी कुलदीप (20) के रूप में हुई है, जबकि लोगों द्वारा पकड़े गए आरोपित की पहचान अतुल पांडेय के रूप में हुई थी। पुलिस के अनुसार इन तीनों आरोपितों की संलिप्तता कालकाजी हत्याकांड में पाई गई है। तीनों से पूछताछ जारी है और पुलिस पूरे मामले की तहकीकात कर रही है। उल्लेखनीय है कि कालकाजी मंदिर में दर्शन के लिए आए कुछ युवकों ने प्रसाद के रूप में चुन्नी न देने पर सेवादार की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी थी।

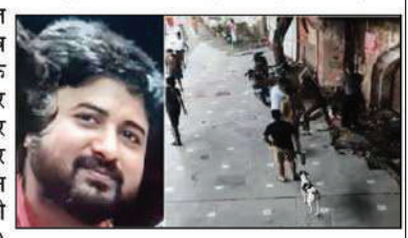

मृतक की शिनाख्त योगेंद्र सिंह (35) के रूप में हुई है। वारदात मंदिर परिसर में बनी धर्मशाला के नजदीक हुई। आरोपितों ने धर्मशाला के पास योगेंद्र को घेर लिया। बाद में उसे घसीटकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपित तब तक योगेंद्र पर हमला करते रहे जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने दिए दो नए बीएमडब्ल्यू ट्रीटमेंट प्लांट की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को राजधानी में दो अत्याधुनिक बॉयो-मेडिकल वेस्ट (बीएमडब्ल्यू) ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने के लिए तत्काल व्यवहार्यता अध्ययन शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही मंत्री ने नॉन-बेडेड क्लिनिकों के लिए बीएमडब्ल्यू सेवा शुल्क तार्किक करने का औपचारिक प्रस्ताव पेश करने को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) से कहा, क्योंकि वर्तमान शुल्क उनकी न्यूनतम वेस्ट अमाउंट को नहीं दर्शाते। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि वे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह को इस आवश्यकता और तथ्यों से अवगत कराएंगे।

मंत्री ने कहा कि यदि बॉयो-मेडिकल कचरा अनुपचारित छोड़ दिया गया तो यह जन-स्वास्थ्य और वायु-गुणवत्ता के लिए गंभीर खतरा है। दो आधे-एकड़ के मौजूदा प्लांट पूरे शहर के 40 एमटी दैनिक भार को अनिश्चितकाल तक नहीं उठा सकते।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित दिल्ली दृष्टिकोण के अनुरूप और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम इस कैपेसिटी गैप को इनोवेटिव व मापनीय समाधानों से जल्द दूर करने के लिए कार्यरत हैं।पिछले कई हफ्तों में की कई समीक्षा बैठकों में अधिकारियों ने बताया कि 3 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले दिल्ली की स्वास्थ्य-व्यवस्था मौजूदा बीएमडब्ल्यू क्षमता से कहीं अधिक है। मंत्री ने बताया कि लगभग 3.16 करोड़ आबादी वाले पड़ोसी हरियाणा में 11 बीएमडब्ल्यू प्लांट हैं, जबकि दिल्ली में केवल दो। उन्होंने कहा कि हमने बड़ी कमिया विरासत में पाई, पर यह सरकार छोटी से छोटी कमियों को, बहु-स्तरीय पहल के जरिए खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगामी प्लांट न सिर्फ क्षमता बढ़ाएंगे, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल आधुनिक तकनीक भी अपनाएंगे जो राष्ट्रीय उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होगी।मंत्री ने बताया कि अब तक बिना बिस्तर वाली क्लिनिकें उतनी ही दरें चुका रही थीं जितनी 1-7 बिस्तर की सुविधाएं देती हैं। डीजीएचएस से अनुरोध किया गया है कि वह एडवाइजरी कमेटी में प्रस्ताव रखे ताकि इन क्लिनिकों के लिए कम दरें तय हों और व्यवसायिक न्याय सुनिश्चित हो।

एकमुश्त संपत्ति कर निपटान योजना (सुनियो) का उठाएं लाभ : दिल्ली महापौर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने सभी नागरिकों से 31 अगस्त तक इस वित्त वर्ष के एकमुश्त संपत्ति कर भुगतान पर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाने की अपील की। महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के सभी पात्र संपत्ति करदाताओं से सम्पत्तिकर निपटान योजना (सुनियो) का लाभ उठाने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि निगम सभी संपत्ति मालिकों एवं कब्जाधारियों से अपील करती है कि वे सुनियो के तहत इस सुनहरे अवसर का पूरा लाभ उठाएं और बिना किसी दंड या ब्याज के अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान करें।

महापौर ने बताया कि नागरिक सुनियो योजना का लाभ उठाकर कर माफी योजना में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। अब तक 98,017 करदाता इस पहल से लाभान्वित हो चुके हैं। सुनियो योजना के शुभारंभ के पहले तीन महीनों के भीतर 283.89 करोड़ रुपये का संपत्ति कर चुका चुके हैं। इसमें से 75,006

आवासीय संपत्तियों से 117.48 करोड़ का कर वसूला गया जबकि 23,011 वाणिज्यिक संपत्तियों से 166.41 करोड़ का कर वसूला गया।उन्होंने ने कहा कि करदाताओं की सुविधा के लिए एमसीडी ने वित्तीय इस वर्ष के लिए 10 फिसदी छूट के साथ संपत्ति कर के एकमुश्त भुगतान की अंतिम तिथि को दो बार 30 जून से 31 जुलाई और फिर 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। महापौर ने कहा कि सुनियो के तहत करदाता वित्तीय वर्ष 2020-21 से पहले ब्याज और दंड सहित संपत्ति कर की पूर्ण छूट का लाभ उठा सकते हैं। वे इस वर्ष और पिछले पांच वित्तीय वर्षों के लिए बिना किसी ब्याज और दंड के संपत्ति कर की मूल राशि का भुगतान करें।

निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बिजवासन एवं द्वारका में एबीसी सेंटरों का निरीक्षण कर, डॉग शेल्टर सेंटर बनाने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बिजवासन और द्वारका स्थित पांच एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी सेंटरों की व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली को देखा तथा अधिकारियों को द्वारका व बिजवासन में डॉग शेल्टर सेंटर बनाने के निर्देश दिए। सत्या शर्मा ने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए - एबीसी सेंटरों में नसबंदी एवं टीकाकरण प्रक्रिया को और तेज एवं सघन किया जाए ताकि आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित हो और बीमारियों की रोकथाम हो सके और एबीसी सेंटरों में केनेल की संख्या बढ़ाई जाए ताकि अधिक से अधिक कुत्तों का इलाज एवं देखभाल संभव हो सके।सत्या शर्मा ने निरीक्षण के दौरान द्वारका स्थित डॉग क्रेमेटोरियम सेंटर का भी दौरा किया और वहां की सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि

एमसीडी दिल्ली में डॉग शेल्टर होम बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और आने वाले समय में वह और भी एबीसी सेंटरों का निरीक्षण करेंगी। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में सभी केंद्रों का व्यक्तिगत रूप से दौरा करेंगी और इस समस्या का ठोस समाधान निकालने के लिए पूरी गंभीरता से काम करेंगी। शर्मा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवारा कुत्तों के लिए फीडर प्लेस भी बनाने की जगहों को चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि निगम इस दिशा में दिल्ली सरकार से भी सहयोग मांगेगा और औपचारिक रूप से अनुरोध करेगा कि डॉग शेल्टर होम व फीडर प्लेसेज विकसित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराए ताकि इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि निगम का उद्देश्य है दिल्ली में पशु कल्याण एवं नागरिक हित दोनों को संतुलित रखते हुए प्रभावी कदम उठाना ताकि शहर में आवारा कुत्तों की समस्या पर नियंत्रण के साथ-साथ उनके प्रति संवेदनशील और मानवीय व्यवहार भी सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर स्थायी समिति के उपाध्यक्ष तथा आवारा कुत्तों की समस्या हेतु गठित उपसमिति के अध्यक्ष सुंदर सिंह, शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं उपसमिति के सदस्य योगेश वर्मा, अतिरिक्त आयुक्त एल. डी. मेघवाल, अतिरिक्त निदेशक हेमंत कौशिक, जोनल अधिकारी तथा पशु चिकित्सा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला को चाकू दिखाकर लूटपाट करने वाले आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बुद्ध विहार इलाके में महिला को चाकू दिखाकर लूटपाट करने के आरोप में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इनकी पहचान भावेश कुमार कालरा (25) और दीपक उर्फ जूड़ी (24) के रूप में हुई है। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू और लूटा गया मोबाइल बरामद किया गया है। 21 अगस्त को दोनों ने महिला को जान से मारने की धमकी देकर उसके घर के सामने से ही मोबाइल फोन, पर्स और पहने हुए जेवरात लूट लिए थे। भावेश और दीपक दोनों ही विजय विहार इलाके में अलग-अलग हत्या के आरोपित हैं। कुछ माह पूर्व ही दोनों जेल से छूटकर बाहर आए थे। नशे की लत पूरी करने के लिए दोबारा लूटपाट करने लगे। पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) हर्ष इंदौरा ने बताया कि 21 अगस्त को बुद्ध विहार इलाके में रेखा (34) नामक महिला अपने घर के सामने से पानी भर रही थीं। इस बीच तीन बदमाशों ने उनको घेर लिया। बाद में चाकू दिखाकर उनसे मोबाइल, पर्स और पहने हुए सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को भी जांच में शामिल किया गया। इस बीच टीम को खबर मिली कि दीपक मंगोलपुरी और भावेश सेक्टर-4 रोहिणी में आने वाला है। अलग-अलग जगह छापेमारी कर टीम ने दोनों आरोपितों को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान इन्होंने रेखा के साथ लूटपाट में शामिल होने की बात स्वीकार कर ली।

सभी जिलों में मिनी सचिवालय स्थापित किए जा रहे हैं : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के सभी 11 जिलों में मिनी सचिवालय स्थापित किए जा रहे हैं, जहां अधिकारियों को आवश्यक संसाधन, अधिकार और स्टाफ उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने यह बातें अलीपुर डीएम कार्यालय में डिस्ट्रिक्ट कमिटी चेयरमैन कार्यालय का शुभारंभ करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व इन्हीं संकल्पों को मूर्त रूप देते हुए उत्तर जिला के डीएम कार्यालय को पूरी तरह रेनोवेट करके जनता की सेवा का सशक्त केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अब स्थानीय लोग अपनी समस्या सीधे डीएम कार्यालय में दर्ज कराकर त्वरित समाधान पा सकेंगे। यही है जवाबदेह शासन का नया स्वरूप।

इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राजराज, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। यह जानकारी मुख्यमंत्री अपने एक्स अकाउंट पर साझा कीुककमइसे पहले मुख्यमंत्री ने

शनिवार को अलीपुर में युवा साथियों और स्वच्छताग्रहियों के साथ दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान को आगे बढ़ाया। कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाने में हमारे स्वच्छता कर्मियों की निस्वार्थ सेवा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण का पुण्य कार्य है। उनका समर्पण हर दिल्लीवासी के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी कूड़ा दिखे, वहां सफाई को अपनी जिम्मेदारी मानकर तुरंत एक्शन लेने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और हरा भरा बनाना है।

कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या को लेकर आआपा ने सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कालकाजी मंदिर के अंदरसेवादार की हत्या के बाद दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वरदात को अंजाम देने से पहले इन बदमाशों के हाथ नहीं कांपे? ये कानून व्यवस्था की विफलता नहीं तो और क्या है?केजरीवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के चारों इंजनों ने दिल्ली का ये हाल कर दिया है कि अब मंदिरों में भी ऐसी वारदात हो रही हैं। क्या दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं ? आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने एक्स पोस्ट में कहा कि दिल्ली के हालात बद से बदतर होती जा रही है। पुलिस बस राजनीतिक कामों में व्यस्त है। पुलिस बस शरीफ जनता को डराती धमकाती है। हम पुलिस आयुक्त से मिलने का समय मांग रहे हैं।

नगर निगम ने दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के अंतर्गत रोहिणी में स्वच्छता के लिए मेगा मार्च का किया आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के रोहिणी क्षेत्र में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के अंतर्गत स्वच्छ एवं हरित दिल्ली के लिए मेगा मार्च का आयोजन किया गया। मेगा मार्च का नेतृत्व दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, उत्तर पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने की। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि आज यहां स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली एवं हरित दिल्ली का संदेश देने के लिए उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली का जनसंख्या घनत्व विश्व के अन्य शहरों के मुकाबले काफी अधिक है। दिल्ली की जनसंख्या लगभग 2.50 करोड़ है।उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी आबादी के चलते दिल्ली को साफ रखना नगर निगम के लिए एक चुनौती है।गुप्ता ने कहा कि दिल्ली का प्रमुख व्यवसाय व्यापार है और दिल्ली में बड़े-बड़े बाजार स्थित हैं। दिल्ली में प्रतिदिन कुल 1.25 करोड़ किलोग्राम कूड़ा निकलता है। इतनी अधिक मात्रा में उत्पन्न कूड़े का निपटान

करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। विजेंद्र गुप्ता ने सवालिया लहजें में पूछा की कि क्या केवल सरकारी कर्मचारी के कार्य करने से दिल्ली साफ एवं स्वच्छ हो जाएगी? उन्होंने कहा कि जब तक प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं करेगा तब तक दिल्ली को स्वच्छ बनाने का सरकार का मिशन पूरा नहीं होगा। सभी को मिलकर दिल्ली को साफ एवं स्वच्छ रखना है। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 11 वर्ष पूर्व स्वच्छ भारत मिशन को आरम्भ किया था। इसी कड़ी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान चलाया जा रहा है। महापौर ने कहा कि जैसे सभी अपने घर को गंदगी से दूर रखते हैं वैसे ही दिल्ली भी हमारा बड़ा घर है और उसे साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

इकबाल सिंह ने नागरिकों से अनुरोध किया कि सब प्रण ले कि घर से बाहर कूड़ा नहीं फेकेंगे, पालीथीन का प्रयोग नहीं करेंगे, गीला एवं सूखा कूड़ा अलग-अलग करके डालेंगे दिल्ली को दिन रात कूड़ा मुक्त बनाने में योगदान देंगे। उन्होंने दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने के इस अभियान में नागरिकों का सहयोग मांगा।रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि आज जो मानव श्रृंखला बनाई है, वह केवल हाथों की नहीं, बल्कि सहयोग की श्रृंखला है जो दिल्ली को कूड़े से मुक्त बनाने के लिए एकजुट हुई है। ÷दिल्ली को कूड़े से आजादी÷ अभियान केवल सफाई भर नहीं, बल्कि जन-चेतना का आंदोलन है। अगर हर नागरिक कुछ समय घर के आसपास सफाई को दे, तो पूरा शहर चमक उठेगा। इस अवसर पर नेता सदन प्रवेश वाही, रोहिणी क्षेत्र के उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह, रोहिणी के पार्षद धर्मबीर शर्मा, रोहिणी क्षेत्र के उपायुक्त प्रेम कुमार मंडल सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी, स्थानीय नागरिक, स्कूल एवं कॉलेज के छात्र उपस्थित रहे।

आईपी विश्वविद्यालय में समावेशी चिकित्सा और स्वास्थ्य पर संगोष्ठी

एजेंसी

नई दिल्ली । गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी) के यूनिवर्सिटी इनक्लूजन एंड एक्सेसिबिलिटी सेल ने समावेशी चिकित्सा और स्वास्थ्यः बच्चों और वयस्कों के लिए, दिव्यांग और अक्षम दोनों के लिए विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के उद्घाटन दिवस पर 176 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। इनमें अष्टावक्र इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंस एंड रिसर्च, अवध सेंटर ऑफ एजुकेशन और एक्शन फॉर ऑटिज्म जैसे संस्थानों के प्रतिभागी शामिल रहे।

कार्यक्रम निदेशक प्रो. शालिनी गर्ग ने कहा कि यह आयोजन केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं बल्कि एक सामाजिक और मानवीय आह्वान है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. महेश

वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य मैं से नहीं बल्कि हम से शुरू होता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अक्षम नहीं बल्कि अलग तरह से सक्षम होते हैं और समावेशिता केवल रैंप या स्पर्श पथ तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की सोच और हृदय से आनी चाहिए। संगोष्ठी के दौरान तीन पहलों का शुभारंभ किया गया- समावेश और पहुंच ई-पत्रिका का 10वां संस्करण, समावेशी चिकित्सा व स्वास्थ्य पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (वी-शेष के सहयोग से) और सहायक प्रौद्योगिकी पर संसाधन किट। प्रतिभागियों को भारतीय सांकेतिक भाषा का परिचय दिया गया और विकलांग व्यक्तियों पर एक जागरूकता प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। साथ ही, सीइंग एआई जैसे एआई टूल्स और एडीआईपी योजना जैसी सरकारी पहल की जानकारी दी गई, जिनसे दिव्यांगजनों को स्वतंत्रता और सुविधा मिल सकेगी।

संपादक की कलम से

कांग्रेस के विरोध के बाद भी मोदी के खास

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपने सख्त रुख को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखने के लिए एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। इस रणनीति के तहत भारत सरकार ने एक के बाद एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित कर दुनिया के उन देशों की यात्रा की योजना बनाई है जो या तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं या फिर भारत के रणनीतिक सहयोगी माने जाते हैं। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य न केवल भारत के पक्ष को वैश्विक समुदाय के सामने स्पष्ट करना है, बल्कि यह दिखाना भी है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की राजनीतिक व्यवस्था पूरी तरह एकजुट है। लेकिन इस राष्ट्रहित की कवायद के बीच एक ऐसा विवाद खड़ा हो गया है जिसने न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के भीतर बहस को जन्म दे दिया है बल्कि केंद्र और विपक्ष के रिश्तों में भी खटास बढ़ा दी है। विवाद की जड़ में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम है जिन्हें केंद्र सरकार ने बिना कांग्रेस नेतृत्व की सिफारिश के एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल कर लिया। जबकि कांग्रेस का दावा है कि उसने अपनी तरफ से चार वरिष्ठ सांसदों के नाम सरकार को भेजे थे, जिनमें से किसी को भी नहीं चुना गया। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि सरकार ने अपनी मनमर्जी से शशि थरूर को चुना और उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंप दिया। वहीं, केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस से कोई औपचारिक नाम नहीं मांगे गए थे, बल्कि जो जानकारी दी गई थी, वह केवल सूचनात्मक थी, कोई आग्रह नहीं। कांग्रेस इस सफाई से संतुष्ट नहीं है और उसका मानना है कि सरकार ने जानबूझकर कांग्रेस को दरकिनार किया और शशि थरूर को शामिल कर सियासी संदेश देने की कोशिश की।

यह पहला मौका नहीं है जब शशि थरूर की कांग्रेस नेतृत्व से टकराव की स्थिति सामने आई है। इससे पहले भी वे विदेश राज्य मंत्री रहते हुए कैटल क्लास जैसे ट्वीट की वजह से विवादों में आए और उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में खड़े होने के बाद से तो पार्टी के भीतर उन्हें शक की नजर से देखा जाने लगा। लेकिन इन सबके बावजूद शशि थरूर की एक अलग पहचान है एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी राजनयिक की, जो संयुक्त राष्ट्र में 30 साल से ज्यादा समय तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी वाक्पटुता, कूटनीतिक समझ और वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति ने उन्हें न केवल भारत बल्कि विदेशों में भी विशिष्ट पहचान दिलाई है। शशि थरूर ने खुद को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने पर खुशी और गर्व का इजहार किया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि वे भारत सरकार के इस आमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहे हैं और जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी, वे पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने किसी तरह की पार्टी अनुमति की आवश्यकता नहीं समझी, जो कांग्रेस नेताओं को खटक गया। पार्टी नेतृत्व का यह मानना है कि थरूर को पहले नेतृत्व से राय लेनी चाहिए थी, लेकिन शायद थरूर को खुद ही इस बात की आशंका थी कि यदि वे अनुमति मांगते तो उन्हें मना कर दिया जाता। ऐसे में उन्होंने खुद ही निर्णय लेना उचित समझा, खासकर तब जब उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिनिधित्व का प्रस्ताव मिला। शशि थरूर की इस भूमिका से न केवल बीजेपी को लाभ मिल रहा है बल्कि खुद थरूर की राजनीतिक हैसियत भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब संसद में विदेश नीति पर बोलते हुए कांग्रेस पर हमला करते हैं, तब वे विशेष रूप से यह कहते हैं कि शशि थरूर इस दायरे से बाहर हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि कांग्रेस को यह चुभेगा। वहीं, बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी थरूर की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी विदेश नीति की समझ और संयुक्त राष्ट्र में उनके अनुभव से कोई इनकार नहीं कर सकता। फिर कांग्रेस ने उन्हें क्यों नहीं चुना? क्या यह राहुल गांधी की असुरक्षा की भावना है? यह सवाल बीजेपी के माध्यम से आम जनमानस के बीच भी फेंका गया है, जो कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस की तरफ से जिन चार सांसदों के नाम सुझाए गए थे उनमें आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा ब्रार शामिल थे। आनंद शर्मा पूर्व विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं, गौरव गोगोई लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर हैं और राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राजा ब्रार और नसीर हुसैन को लेकर भी राजनीतिक विवाद जुड़ा रहा है। राजा ब्रार पर खालिस्तानी समर्थक गायकों के समर्थन का आरोप लगा है और नसीर हुसैन की एक रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की घटना भी विवाद का कारण बनी थी। ऐसे में शशि थरूर का नाम इनमें से अधिक उपयुक्त और अंतरराष्ट्रीय छवि वाला नजर आता है। दरअसल, कांग्रेस को इस बात की तकलीफ है कि एक ऐसा नेता जो पार्टी के भीतर लगातार उपेक्षा का शिकार रहा है, आज राष्ट्रीय मंच पर केंद्र सरकार द्वारा प्रतिष्ठित किया जा रहा है। यह बात कांग्रेस के नेतृत्व को असहज कर रही है।

हालांकि पार्टी के कुछ नेता यह मानते हैं कि थरूर की राय और सोच भले ही अलग हो, लेकिन पार्टी को उन्हें अपने साथ बनाए रखना चाहिए क्योंकि उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव और बौद्धिक क्षमता कांग्रेस के लिए ताकत बन सकती है। कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में हालांकि कुछ नेताओं ने यह भी कहा कि थरूर ने पार्टी की लक्ष्मण रेखा पार कर ली है और अब उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। एक ओर कांग्रेस थरूर के खिलाफ कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है, तो दूसरी ओर वह उन्हें खुला समर्थन भी नहीं दे पा रही है। यह दुविधा कांग्रेस नेतृत्व के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और सत्ता संरचना की अस्थिरता को दशार्ती है। शशि थरूर एक ऐसे नेता हैं जो पार्टी लाइन से इतर राय रखने की हिम्मत करते हैं और अपनी बातों को खुले मंच पर रखते हैं। यही बात उन्हें विशिष्ट बनाती है और शायद यही बात कांग्रेस नेतृत्व को चुभती भी है। इस पूरे प्रकरण का एक और पहलू यह है कि थरूर को केरल में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भी केंद्र सरकार ने आगे किया है। केरल में कांग्रेस के लिए हर सीट महत्वपूर्ण है, और वायनाड से राहुल गांधी के सांसद होने के कारण इस राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर पार्टी विशेष नजर रखती है। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद हैं और उनकी लोकप्रियता के चलते बीजेपी को लगता है कि उनके माध्यम से केरल में एक वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा किया जा सकता है।

यदि थरूर को कांग्रेस में उचित सम्मान और भूमिका नहीं दी गई तो यह संभावना बन सकती है कि वे किसी भी समय पार्टी छोड़ दें या कम से कम एक स्वतंत्र रुख अख्तियार कर लें, जो कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित होगा। शशि थरूर के पास इस वक्त अपने राजनीतिक जीवन को नई दिशा देने का पूरा अवसर है। वो न तो कांग्रेस के लिए पूरी तरह विश्वसनीय रहे हैं, न ही बीजेपी के लिए आज्ञाकारी। लेकिन यही स्थिति उन्हें खास बनाती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि थरूर जैसे नेता पार्टी की विविधता और बौद्धिक गहराई का प्रतीक हैं। यदि उन्हें दरकिनार किया जाता है तो इससे न केवल पार्टी की छवि को नुकसान होगा, बल्कि ऐसे नेताओं के बीच भी निराशा बढ़ेगी जो विचार और विवेक के आधार पर राजनीति करना चाहते हैं।

अब देखना यह है कि कांग्रेस इस चुनौती से कैसे निपटती है। क्या वह शशि थरूर को उनके हाल पर छोड़ देगी, या फिर उन्हें पार्टी के भीतर सम्मानजनक भूमिका देकर संतुलन साधेगी? केंद्र सरकार की रणनीति तो साफ है विपक्ष के प्रभावशाली नेताओं को अलग-थलग करना, उन्हें राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा देना और इससे विपक्ष के भीतर मतभेद को और गहरा करना। कांग्रेस यदि समय रहते नहीं चेती, तो यह मामला सिर्फ शशि थरूर तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पार्टी के भीतर असंतोष और टकराव को और गहरा कर देगा। राजनीति में प्रतीकात्मक घटनाओं का बड़ा महत्व होता है, और शशि थरूर की यह नियुक्ति भी आने वाले समय में भारतीय राजनीति के समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

एचआईवी संक्रमण से मुक्ति की जंग अब भी अधूरी

आज जब दुनिया स्वास्थ्य सुरक्षा, जैविक आपदाओं और महामारी नियंत्रण के नए अध्यायों से गुजर रही है। आज यदि एक प्रभावी एड्स वैक्सीन विकसित होती है और भारत तक उसकी पहुँच सुनिश्चित होती है, तो इसके बहुआयामी सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। भारत में लगभग चौबीस लाख लोग एचआईवी से संक्रमित हैं, जिनमें से अनेक ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से हैं। वैक्सीन उपलब्ध होने से संक्रमण दर में नाटकीय गिरावट संभव है, जिससे स्वास्थ्य तंत्र पर बोझ घटेगा, जीवन प्रत्याशा बढ़ेगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी। विशेषकर वाणिज्यिक यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडर समुदाय, समलैंगिक पुरुषों और नशे की लत के शिकार व्यक्तियों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों को दीर्घकालिक संरक्षण प्राप्त होगी। यह वैक्सीन केवल स्वास्थ्य संकट का समाधान नहीं होगी, बल्कि यह सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगी।

कोविड महामारी के अनुभव ने यह सिखाया कि जब विज्ञान, सरकार और समाज एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो असंभव भी संभव हो सकता है। मात्र एक वर्ष में कोविड की वैक्सीन बन गई, जबकि एचआईवी जैसी महामारी को चार दशक बीत जाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी टीका नहीं मिल सका है। यह तुलना यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या एचआईवी से जुड़ी वैक्सीन अनुसंधान को वह राजनीतिक इच्छाशक्ति, आर्थिक संसाधन और जन समर्थन मिला जो कोविड के मामले में मिला था?

ग्रामीण क्षेत्रों, अशिक्षित जनसमूह और ट्रांसजेंडर समुदाय जैसे संवेदनशील वर्ग आज भी भेदभाव, कुप्रचार और अज्ञानता का शिकार हैं। यह वायरस शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है, जिससे सामान्य बीमारियां भी जानलेवा साबित हो सकती हैं। यदि समय रहते इसका पता न चले और इलाज न हो, तो एड्स होने पर जीवन की संभावना कम हो जाती है। साथ ही, यह संक्रमण असावधान यौन संबंध, संक्रमित सुई का उपयोग, और रक्त संचरण के जरिए तेजी से फैल सकता है। इसलिए एड्स एक ऐसी बीमारी है जिसका खतरा अभी भी कम नहीं हुआ है, और इसके प्रसार को रोकने के लिए सतत जागरूकता, सुरक्षित व्यवहार, और अनुसंधान की जरूरत है । आज के डिजिटल युग में जहां सूचना की पहुंच आसान हो गई है, वहीं एड्स से जुड़ी भ्रांतियां और कलंक अब भी मिट नहीं सके हैं। यही वह मानसिक दीवारें हैं जिन्हें तोड़ना, एक प्रभावी वैक्सीन की खोज से भी ज्यादा जरूरी हो चला है। आज के युवा जागरूक, तकनीकी रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से अधिक संवेदनशील हैं। उन्हें स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया मंचों पर एचआईवी के बारे में खुलकर संवाद करना चाहिए। सुरक्षित यौन व्यवहार, नियमित जांच और संक्रमितों के साथ करुणामय व्यवहार को सामान्य बनाना होगा। यही वह सामाजिक आधार होगा जिस पर कोई भी वैक्सीन कार्यक्रम सफल हो सकता है ।

आज के परिप्रेक्ष्य में, जब भारत वैश्विक जैव-प्रौद्योगिकी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, यह बेहद आवश्यक है कि सरकार और नीति-निमार्ता एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसके लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जनस्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाना होगा ताकि बेहतर परीक्षण, उपचार और रोकथाम की सुविधाएं हर स्तर पर उपलब्ध हो सकें। विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य शिक्षा और संसाधनों की सहज पहुँच सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि वे भी समय पर जानकारी और सहायता प्राप्त कर सकें। साथ ही, एड्स से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव को मिटाने के लिए व्यापक राष्ट्रीय जन जागरण अभियान चलाना होगा, जिससे समाज में समावेशन और संवेदनशीलता बढ़े तथा संक्रमितों को सम्मान और सहयोग मिल सके।आम आदमी से अपेक्षा की जाती है। कि वह एड्स से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाए। वे सही जानकारी प्राप्त करके अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाएं, सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाएं और समय-समय पर एचआईवी परीक्षण करवाएं। साथ ही, एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति और सम्मान बनाए रखें, उनके साथ बीच सही संदेश फैलाकर वे इस बीमारी के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

यही सहयोग और समझदारी ही एड्स मुक्त समाज के निर्माण की नींव रख सकती है। आज के युग में, जब विज्ञान ने चमत्कार करने की क्षमता दिखाई है, तब यह और जरूरी हो गया है कि हम एचआईवी वैक्सीन पर जन-ध्यान केंद्रित करें।यदि हम आज निर्णय लें कि भविष्य एड्स-मुक्त होना चाहिए, तो विज्ञान, समाज और शासन झ तीनों मिलकर वह भविष्य रच सकते हैं।

आरक्षण: पीढ़ीगत विशेषाधिकार या वास्तविक न्याय?

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में आरक्षण का मुद्दा हमेशा से एक संवेदनशील और विवादास्पद विषय रहा है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और ऐतिहासिक उत्पीड़न के निवारण का एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है। परंतु जैसे-जैसे समय बीतता गया, आरक्षण की अवधारणा अपने मूल उद्देश्यों से भटकती प्रतीत होती है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस बी.आर. गवई का बयान इस बहस को एक नई दिशा में ले जाता है, जिसमें उन्होंने कहा कि संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर करने का निर्णय संसद को करना चाहिए। उनका यह कथन कई सवाल खड़े करता है झ क्या आरक्षण का वास्तविक लाभ उस वर्ग तक पहुंच रहा है जिसके लिए यह बनाया गया था? क्या यह व्यवस्था अब सुधार और पुनर्विचार की मांग करती है?

आरक्षण का मूल उद्देश्य

आरक्षण का आरंभ भारतीय समाज में व्याप्त गहरी सामाजिक असमानताओं को समाप्त करने और सदियों से वंचित समुदायों को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से हुआ था। यह एक ऐसा साधन था जिससे सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर कर समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिल सके। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में प्रस्तुत किया था, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को न्याय और अवसर मिल सके। उनका उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना था जहाँ जातीय भेदभाव और सामाजिक उत्पीड़न का कोई स्थान न हो। यह केवल सरकारी नौकरियों और शिक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि एक समग्र सामाजिक सुधार की दिशा में एक साहसिक कदम था। लेकिन, धीरे-धीरे यह व्यवस्था उन परिवारों के लिए एक पीढ़ीगत विशेषाधिकार बनती जा रही है जो पहले ही सशक्त हो चुके हैं। न्यायमूर्ति गवई का यह कहना कि जब एक व्यक्ति क्अर या क्हर बन जाता है, तो उसके बच्चे उसी समाज की कठिनाइयों का सामना नहीं करते हैं, एक महत्वपूर्ण सत्य की ओर इशारा करता है।

राष्ट्र के सम्मान को आहत करता विजय का बयान

मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह का बयान देश की राष्ट्रीय अस्मिता को कलंकित करने वाला है, राष्ट्र के सम्मान को आहत करने वाला है, जिस भारतीय सेना की कर्नल सौफिया कुरैशी ने आपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्र का मस्तक ऊँचा उठाया हो, ऐसे सैन्य अधिकारी के खिलाफ सार्वजनिक मंच से अपने बयान मे उन्हें आंतकवादियों की बहन बताने का जो घृणित पाप किया है, वह पुरे देश को आहत कर गया। जब राष्ट्र आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान मे जाकर आंतकवादियों की पनाहगाहों को नेस्तनाबूत करने का जश्न मना रहा था, राष्ट्र की बेटी कर्नल सौफिया कुरैशी ने जब दुनियाँ को भारत के सधे कदमों से आंतकवाद के खिलाफ सैन्य कार्यवाही से अवगत कराया तब सारे भारत का मस्तक गर्व से ऊँचा उठ गया था, सौफिया व्योमिका की जुगलबंदी आपरेशन सिंदूर के घटनाक्रमों से देश दुनियाँ को अवगत करा रहे थे, भारत इस दौरान अपनी राष्ट्रीय एकता के दर्शन से भी दुनियाँ को वाकिफ करा रहा था। भारत की इस बेटी कर्नल सौफिया के विरुद्ध एमपी सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री, 8 बार के विधायक विजय शाह का बयान शर्मसार करने वाला है, इस मंत्री ने अपने भाषण मे कर्नल सौफिया कुरैशी पर जो टिप्पणी की है वह देश को नागवार गुजरी सोशल मिडिया पर मंत्री के इस बयान की कढ़ी आलोचना देखने को मिली। एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इस पर अपनी सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा विजय शाह की मंत्री पद से बर्खास्तगी एवं एफआईआर तुरंत होना चाहिए क्योंकि उन्होंने पुरे देश को लज्जित किया है। प्रदेश मे कांग्रेस संगठन ने भी मुखर विरोध दर्ज कराया तथा एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग करते हुए शाह के बयान को राष्ट्र विरोधी बताया।

मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध सख्त टिप्पणी करते हुए एफआईआर दर्ज कराने को लेकर डीजीपी को निर्देशित किया, बुधवार रात एमपी के मानपुर थाने मे विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गयी। एफआईआर के बाद प्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण देश से एक स्वर मे मंत्री विजय शाह की बर्खास्तगी की मांग की जा रही है, बदजुबान मंत्री सुप्रीम कोर्ट की कठोर टिप्पणीयों के उपरांत भी मंत्री अपने पद पर बने हुए है। प्रदेश सरकार भी सख्त रुख नहीं अपना पा रही है।

अपनी बदजुबानी के लिये कुख्यात मंत्री विजय शाह ने सावजनिक मंच से जो कहा वह एक संवैधानिक पद पर बैठे प्रदेश के मंत्री को शोभा नहीं देता। उनकी टिप्पणी सेना और राष्ट्र के मनोबल को कमजोर करने वाली है, ऐसे समय जब भारत देश आंतकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ रहा हो तब प्रदेश के किसी मंत्री का उक्त बयान असहनीय, पीड़ादायी और राष्ट्रविरोधी माना जाना चाहिए। होना तो यह चाहिए था की मंत्री के बयान के तुरंत बाद प्रदेश की सरकार के मुखिया ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना चाहिए थी, उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए था। किंतु प्रदेश की सरकार ने रिपोर्ट दर्ज कराने का साहस नहीं दिखाकर जनभावना का अपमान किया है। जनभावना को समझकर राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक प्रावधानों की रक्षार्थ मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर प्रदेश के डीजीपी को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराने का सख्त निर्देश दिया। देश के सुप्रीम कोर्ट ने भी एमपी के उच्च न्यायालय के आदेश को उचित मानते हुए मंत्री को फटकार लगाई। मप्र उच्च न्यायालय के निर्देश के पालन मे मानपुर थाने मे एफआईआर दर्ज की गयी। एमपी हाई कोर्ट का उक्त आदेश सम्पूर्ण भारतवासियों के मन मे न्यायपालिका के प्रति विश्वास बढ़ाने वाला प्रतीत हो रहा है। आपरेशन सिंदूर के दौरान मध्यप्रदेश के नागरिक इसलिए भी गौरव से भरे हुए थे, जब उन्हें यह सूचना मिली की आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आंतकवादियों की शरणस्थली पाकिस्तान मे जाकर आंतक के ठिकानों को बर्बाद कर दिया गया है। भारत की सैन्य कार्यवाहीयों को दुनियाँ के समक्ष रखने की जवाबदेही निभाने वाली कर्नल सौफिया की प्रारम्भिक शिक्षा एमपी के छतरपुर के नौगाँव मे अपने चाचा के यहां हुई है।

सीमित युद्ध से भारत को सीखने होंगे कई सबक

आज समझदारी इसी में है कि युद्ध के कोहरे के बीच क्या सही या गलत हुआ, इस बाबत सभी बाहरी दावों और प्रतिदावों को त्याग दिया जाए। समाचार मीडिया एंकरों और स्व-घोषित अति-राष्ट्रवादियों ने कई (ज्यादातर झूठे) दावे कर गड़बड़ कर दी है। सरकार समर्थक मीडिया ने अपने आकाओं की सेवा में काल्पनिक दावों की ऐसी झड़ी लगा दी जिससे सरकार शर्मिंदा हो सकती है और मीडिया ने खुद को बेकार साबित कर दिया है।

पहलगाम में आतंकवादी हत्याओं की निंदा करने और रक्षा बलों को सलाम करने में सारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। इस घटना के कारण पाकिस्तान पर भारत ने पांच दशकों में इतना सघन हमला किया। भारत की इस कार्रवाई के लिए व्यापक समर्थन आतंकवादियों को खोजने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के राष्ट्रीय संकल्प को दशार्ता है। फिर भी, यह संकल्प आत्म-प्रशंसा के शोर के एक प्रतिध्वनि कक्ष में उतरने का जोखिम उठाता है जो राष्ट्र को उस गहन विश्लेषण से रोक सकता है।

इस संघर्ष में हालांकि कुछ भारतीय उद्देश्यों को हासिल कर लिया गया लेकिन इस स्तर पर यह तर्क देना मुश्किल है कि ऑपरेशन सिंदूर एक बड़ी सफलता थी। भले ही ऑपरेशन में सीमित सफलता मिली है लेकिन इससे मिले सबक असीमित हैं। हमारे पास डेटा की एक खदान है जिसमें राजनीतिक ग्राउंड वर्क, राजनयिक जुड़ाव और योजना, रणनीति या परिचालन मुद्दों के विचारों से लेकर उच्च तकनीक वाले सैन्य हार्डवेयर व अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के प्रदर्शन पर समृद्ध युद्ध क्षेत्र डेटा तक शामिल हैं।

अगली लड़ाई उन लोगों द्वारा जीती जाएगी जो सैन्य मोर्चे पर इन सीखों पर अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं लेकिन सबसे बड़ा सबक विशेष रूप से राजनीतिक मोर्चे पर होगा जहां युद्ध पर बड़े निर्णय लिए जाते हैं। सीखना हमेशा आसान नहीं होता है। उच्चतम राजनीतिक स्तर पर, यह

उस रणनीति को चुनौती देता है जिसने हमें मर्दानगी की बातें और युद्ध के नारे दिए, जिसमें चुनावी रैली भी शामिल है, लेकिन युद्ध के समय अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए आवश्यक कड़ी मेहनत के कम सबूत मिले. साथ ही, विनम्रता, ईमानदारी और जिज्ञासा की भावना के साथ कठिन सवालों को प्रोत्साहित करने की इच्छा भी होनी चाहिए, जिनमें से कोई भी आत्म-प्रशंसा से मदद नहीं करता है जो गहन जांच को बंद कर देता है।

साथ ही अगर हमें इस मुद्दे पर राष्ट्रीय एकता का पूरा लाभ उठाना है तो विपक्ष पर चुनावी शैली के हमलों के बजाय राजनीतिक दलों को अधिक विश्वास-निर्माण करने वाले कदमों के साथ एक साथ लाना होगा।

पहलगाम आतंकी हत्याओं के ठीक दो दिन बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जब लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं सहित सभी राजनीतिक नेता मौजूद थे, उसमें प्रधानमंत्री के शामिल न होने के फैसले से विश्वास बहाली में कोई मदद नहीं मिली। वह गलत निर्णय पुरानी ढर्रे की नीतियों के आधार पर लिया गया था। विभिन्न देशों की राजधानियों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का निर्णय अलग है। यह दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत देता है लेकिन कांग्रेस द्वारा नामित नहीं किए गए शशि थरूर के सूची में शामिल होने पर पैदा हुआ विवाद- एक अनावश्यक चुभन- हमें बताता है कि पुरानी आदतें मुश्किल से छूटती हैं। हम उन पाठों पर वापस आ गए जो सीखे नहीं गए हैं। कांग्रेस पहले ही कह चुकी है कि भाजपा गेम खेल रही है। यह एक ऐसे मुद्दे पर कमजोर भरोसे और खराब राजनीतिक संबंधों में उतरता है जो गहरी राजनीतिक एकता की मांग करता है।

जानकारियां जिस तरह से अर्थहीन हो गई है उससे कुछ सबक मिलते हैं। आज समझदारी इसी में है कि युद्ध के कोहरे के बीच क्या सही या गलत हुआ, इस बाबत सभी बाहरी दावों और प्रतिदावों को त्याग दिया जाए। समाचार मीडिया एंकरों और स्व-घोषित अति-राष्ट्रवादियों ने कई (ज्यादातर झूठे) दावे कर गड़बड़ कर दी है। सरकार समर्थक मीडिया ने अपने आकाओं की सेवा में काल्पनिक दावों की ऐसी झड़ी लगा दी जिससे सरकार शर्मिंदा हो सकती है और मीडिया ने खुद को बेकार साबित कर दिया है। यह ऐसे दोस्तों का मामला है जो दुश्मनों से भी बदतर काम कर रहे हैं। मीडिया तब सही तरीके से काम करता है जब सभी प्रकार के विचारों को फलने-फूलने की अनुमति दी जाती है। इसका उदाहरण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजॅन हैं जहां पर ग्राहक समीक्षाओं का समग्र मूल्यांकन कर नकारात्मक और सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रकाशित की जाती है। एकतरफा विचारों से चिह्नित एक पारिस्थितिकी तंत्र सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से उस पक्ष के लिए बुरा है जिसे आगे बढ़ाया जा रहा है। ये प्राथमिक सबक हैं जिन्हें फिर से सीखने की आवश्यकता हो सकती है।

युद्ध अंतिम उपाय है। यह भारत कह चुका है और इसे वास्तव में प्रधानमंत्री ने अतीत में व्यक्त किया है। 2022 में कारगिल में प्रधानमंत्री को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था- भारत ने हमेशा युद्ध को अंतिम उपाय के रूप में देखा है, लेकिन राष्ट्र पर बुरी नजर डालने वाले किसी भी व्यक्ति को करारा जवाब देने की ताकत और रणनीति सशस्त्र बलों के पास है। तो भी जब इस अंतिम उपाय का प्रयोग किया जाता है तो ब्रह्मास्त्र अपनी शक्ति खो सकता है। इसका उसी तरह से फिर से उपयोग या संचालन नहीं किया जा सकता। कम कार्रवाई को हल्के में लिया जाएगा, मजबूत कार्रवाई से अस्वीकार्य स्तर के जोखिम के साथ तेजी से वृद्धि का जोखिम होगा। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पहले जल्दबाजी में घोषित किए गए संघर्ष विराम के मद्देनजर यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत या पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की घोषणा नहीं की थी। भविष्य में इसका क्या मतलब है इसका पूरी तरह से विश्लेषण करने में समय लगेगा। इस बीच, व्हाट्सएप समूहों पर भेजी जा रही कुछ राजनीतिक प्रतिक्रियाओं से बचना चाहिए- एक ने कहा कि पूर्ण युद्ध केवल तभी संभव है जब भाजपा 400 सीटें जीते। आतंकी हमले और युद्ध ऐसे मुद्दे नहीं हैं जिन पर किसी को वोट और संसद में सीट मांगनी चाहिए। यह खतरनाक और अपमानजनक है- यह प्रतिक्रिया अति उत्साही, सहानुभूति रखने वालों और पार्टी के समर्थकों से आती है।

ये लोग उस पार्टी को अधिक नुकसान पहुंचाते हैं जिसका वे समर्थन करना चाहते हैं।

ध्यान दें कि ट्रम्प ने संघर्ष विराम पर बोलते समय भारत और पाकिस्तान को बराबरी का दर्जा दिया। ट्रम्प ने एक ही समय अस्तित्व में आए दो देशों के संबंध में स्वीकृत डी-हाइफनेशन को मिटा दिया।

श्रीलंका के चार प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति का आह्वान किया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के चार प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति का आह्वान किया है। इस संबंध में आज एक पत्र देश के मंत्री विजिथा हेराथ को सौंपा गया है। इसमें थाईलैंड और कंबोडिया से शांति और सद्भाव की अपील की गई है। इस पत्र में बौद्ध भिक्षु थिब्बोतुवावे श्री सिद्धार्थ सुमंगला महानायका थेरो (मालवत्ता अध्याय), वारकागोडा धर्मसिद्धि श्री ज्ञानरथना महानायका थेरो (असगिरिया अध्याय), मकुलेवे श्री विमला महानायका थेरो (रमन्ना संप्रदाय) और कारागोडा उयंगोडा मैत्री मूर्ति महानायका थेरो (अमरपुरा संप्रदाय) के हस्ताक्षर हैं। पत्र में दोनों देशों के बीच पैदा हुए संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल संघर्ष के लिए करना बुद्ध की शिक्षाओं के विरुद्ध है। साथ ही दोनों सरकारों के साथ-साथ थाईलैंड और कंबोडिया के धार्मिक नेताओं और अनुयायियों से आग्रह किया गया कि वे मतभेदों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाकर और सद्भाव को बढ़ावा देकर बौद्ध धर्म की महान विरासत को बनाए रखें।पत्र में कहा गया है, बुद्ध के अनुयायी होने के नाते यह सुनिश्चित करना हमारा परम कर्तव्य है कि शांति और अहिंसा की उनकी शिक्षाओं का पालन किया जाए। पत्र में याद दिलाया गया है कि इतिहास ने हिंसा को रोकने और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने में भिक्षुओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया है।

रूस और चीन समृद्धि के लिए मिलकर काम करते रहेंगे: पुतिन

मॉस्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस और चीन दोनों राष्ट्रों की समृद्धि के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। पुतिन ने कहा कि वह चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग की नई संभावनाओं और उपायों पर गहन चर्चा करेंगे। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने यह बात चीन रवाना होने की पूर्व संध्या पर समाचार एजेंसी को दिए एक लिखित साक्षात्कार में कही। पुतिन चीन के तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन और बीजिंग में चीन की स्वतंत्रता दिवस सैन्य परेड में हिस्सा लेंगे। पुतिन ने साक्षात्कार में मई में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रूस यात्रा को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि शी दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति हैं। वह रणनीतिक दृष्टि और वैश्विक दृष्टिकोण से संपन्न हैं। राष्ट्रीय हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अडिग हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने जोर देकर कहा, रूस यह कभी नहीं भूलेगा कि चीन ने 1941-1942 के सबसे कठिन महीनों में जापान को सोवियत संघ की पीठ में छुरा घोंपने से रोका। उन्होंने कहा कि रूस और चीन द्वितीय विश्व युद्ध के इतिहास को विकृत करने के किसी भी प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं। पुतिन ने कहा, उस युद्ध के परिणाम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों में निहित हैं। वे अपरिवर्तनीय हैं और उनमें संशोधन नहीं किया जा सकता। पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के बीच आर्थिक संबंध अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गए हैं।

चीन में बहुपक्षीय कूटनीतिक मंच पर दिखेंगे उत्तर कोरिया के किम जोंग-उन

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन वैश्विक राजनीति में दखल देने की तैयारी कर रहे हैं। किम इस सप्ताह चीन में बहुपक्षीय कूटनीतिक मंच पर पहला कदम रखने के लिए तैयार हैं। बीजिंग में सैन्य परेड में भाग लेने के लिए उनकी यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ संभावित त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन का मंच तैयार कर रही है। 2011 के अंत में सत्ता संभालने वाले किम के लिए यह पहली बार होगा जब वे किसी बहुपक्षीय राजनयिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके दादा और उत्तर कोरिया के संस्थापक किम इल-सुंग 1959 में बीजिंग में एक सैन्य परेड में शामिल हुए थे। किम का चीन में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 80वीं वर्षगांठ के सैन्य परेड में पुतिन और शी के साथ भाग लेने का फैसला, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वाशिंगटन में अपनी उच्च-स्तरीय शिखर वार्ता में उत्तर कोरिया के साथ कूटनीति फिर से शुरू करने की उत्सुकता व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद घोषित किया गया। किम का इस सप्ताह बीजिंग में पुतिन और शी जिनपिंग के साथ सैन्य परेड में शामिल होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उत्तर कोरियाई नेता की दक्षिण कोरिया या संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कूटनीति में कोई रुचि नहीं है।

ब्रिटेन के पीएम स्टारमर ने अवैध प्रवासियों को हिरासत में लेने और वापस भेजने का ऐलान किया

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने अवैध प्रवासियों को हिरासत में लेने और वापस भेजने का ऐलान किया है। हाल में सरकार पर चैनल क्रॉसिंग और शरण होटलों के मुद्दे से निपटने के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। स्टारमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'मैं स्पष्ट हूं, हम अवैध प्रवेश को बढ़ावा नहीं देंगे। अगर आप अवैध रूप से चैनल पार करते हैं, तो आपको हिरासत में लिया जाएगा और वापस भेज दिया जाएगा।' उनकी यह टिप्पणी पूरे इंग्लैंड में कई प्रदर्शनों के दौरान आई, जिनमें लंदन, स्केग्नेस और ग्लूसेस्टर भी शामिल हैं, जहां शरणार्थियों को होटलों में ठहराया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी लंदन में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गर्मियों में हजारों लोग विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुए थे, जो एक होटल में ठहरे एक शरणार्थी की गिरफ्तारी और उसके बाद उस पर 14 साल की एक लड़की के कथित यौन उत्पीड़न सहित कई अपराधों के आरोप लगने के बाद शुरू हुए थे।

ओली से मुलाकात को लेकर चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहीं भी लिपुलेख का जिक्र नहीं

एजेंसी

काठमांडू। चीन का विदेश मंत्रालय नेपाली क्षेत्र लिपुलेख के माध्यम से व्यापार को फिर से खोलने के भारत-चीन समझौते पर चुप है। तियांजिन में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक के संबंध में चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में इस मुद्दे पर कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है। चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से मुलाकात को लेकर नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि नेपाल के प्रधान मंत्री ओली ने सन 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, महाकाली नदी के पूर्व में सभी भूमि संप्रभु नेपाल की है, और विश्वास व्यक्त किया कि चीन इस मामले में नेपाल का समर्थन करेगा।नेपाली पक्ष ने यह भी दावा किया था कि इसके जवाब में, चीनी

राष्ट्रपति शी ने कहा कि चीन नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद का पक्ष नहीं बनना चाहता है, लेकिन चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में इसका उल्लेख नहीं किया गया है।इसके बजाय, चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी वक्तव्य में कहा गया है कि नेपाल एक-चीन नीति के लिए प्रतिबद्ध है, ताइवान की स्वतंत्रता का दृढ़ता से विरोध करता है, और चीन द्वारा प्रस्तुत वैश्विक सुरक्षा पहल (जी. एस. आई.) का समर्थन करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में नेपाल के द्वारा एक-चीन सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है, दृढ़ता से ताइवान स्वतंत्रता का विरोध करता है, और किसी भी बल को चीन के हितों को कमजोर करने के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं देता है। चीन के वक्तव्य में नेपाल को निरंतर विकास प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के संदर्भ में चीन के साथ सहयोग को गहरा करने की उम्मीद करता है। बयान में कहा गया ही हम व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यटन, जलवायु प्रतिक्रिया और अन्य क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग बढ़ाएंगे और अधिक सकारात्मक परिणाम देंगे।

मारे गए बंधक कार्मेल गैट के चचेरे भाई ने तेल अवीव रैली में ट्रम्प से किया 'युद्ध को तुरंत समाप्त करने' का आग्रह

एजेंसी

तेल अवीव। हजारों प्रदर्शनकारी तेल अवीव के हॉस्टेज स्क्वायर में इकट्ठा हुए और गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए आवाज बुलंद की। यह प्रदर्शन उस सुरक्षा कैबिनेट बैठक से पहले हुआ है, जो रविवार को होने वाली है और जिसमें इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा गाजा सिटी पर नियंत्रण के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना है। हॉस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम ने इस बैठक को इस बात का और सबूत बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार हमेशा के लिए युद्ध और बंधकों की बलि÷ के रास्ते पर हैं। मंच से प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए गिल डिकमैन, जो मारे गए बंधक कार्मेल गैट के चचेरे भाई हैं, ने कहा, इस हफ्ते हम यरूशलम जाएंगे और एक ही आवाज में कहेंगे - देर होने से पहले सौदा करो। इजराइल और अमेरिका की दोहरी नागरिकता रखने वाले डिकमैन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश दिया, मेरी कजिन कार्मेल गैट की कैद में हत्या कर दी गई थी, उस समय आप राष्ट्रपति नहीं थे। अगर आप होते, शायद वह आज जिंदा होती। ट्रंप साहब, नेतन्याहू आपको भी धोखा न दें, जैसे उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन को दिया। इन बंधकों को बचाइए, जैसा आपने पहले कइयों को बचाया है। मिस्टर प्रेसिडेंट, इस युद्ध को अभी खत्म कीजिए। प्रदर्शन के दौरान आयोजकों ने एक विशाल बैनर भी खोला जिस पर लिखा था- ट्रंप, मेक हिस्ट्री वहीं, फोरम ने प्रदर्शनकारियों से रविवार शाम को यरूशलम पहुंचने और प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाया

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाने का दावा किया है। इन पुलों के आसपास बनाई गई बारूदी सुंरगें भी विस्फोट के दौरान उड़ गईं। ब्रिगेड का दावा है कि उसने बेहद सस्ते 600 डॉलर के ड्रोन का इस्तेमाल कर इस अभियान को अंजाम दिया। अमेरिका के सीएनएन चैनल ने इस खबर का प्रसारण यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के हवाले से किया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि यह दोनों पुल खार्किव क्षेत्र की सीमा के पास स्थित थे। इन दोनों पुलों का इस्तेमाल रूसी सेना अपने सैनिकों को आपूर्ति करने के लिए कर रही थी। बताया गया है कि इससे पहले यूक्रेन ने फरवरी 2022 में रूस की कई सड़कों पर पुलों को नष्ट किया था। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के अनुसार, इन दोनों पुलों के आसपास असामान्य गतिविधि देखने के बाद अभियान शुरू किया गया। बारूदी सुरंगें होने के कराण पुल के नीचे सामान्य टोही

ड्रोन को उड़ाना मुश्किल था। इसलिए फाइबर ऑप्टिक्स से लैस एक फर्स्ट-पर्सन-व्यू ड्रोन का सहारा लिया गया। रूस ने पुलों पर हुए हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। कीव पोस्ट की खबर के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने आमतौर पर शांत रहने वाले रूसी शहर ओर्योल पर पहले रूसी सेना ने कीव पर केंद्रित हमलों में बमवर्षक, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल, हाइपरसोनिक मिसाइल और 560 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया। इस हमले में 23 यूक्रेनी नागरिक मारे गए और 50 से अधिक नागरिक घायल हुए थे। हमला किया। ओर्योल पर यूक्रेनी हमले में 20 से कम विमान शामिल थे। इस हमले में कम से कम चार रूसी नागरिक घायल हो गए। इससे

बलोचिस्तान में बीएलए के हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के आठ जवान मारे गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हाल के दिनों में बलोचिस्तान के कई जिलों में हुए आठ हमलों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने कहा है कि इन हमलों में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के कम से कम आठ जवान मारे गए। विस्फोट कर सुरक्षा बलों के अनेक वाहन उड़ा दिए गए। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले पंजगुर, कच्ची, क्वेटा, जीवानी, खरान, बुलेदा और दलबंदिन में किए। बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने सुरक्षा बलों की टुकड़ियों, पुलिस दल और वाहनों पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), ग्रेनेड और बमों का इस्तेमाल किया। बीएलए ने कहा कि पंजगुर जिले के पारोम इलाके में गुरुवार को एक चौकी से रवाना होते समय सेना के एक वाहन पर रिमोट-नियंत्रित आईईडी से हमला किया, जिसमें छह जवान मारे गए। इस हमले में वाहन पूरी

तरह से नष्ट हो गया। इसी तरह कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में रेलवे ट्रैक साफ कर रहे एक बम निरोधक दस्ते को निशाना बनाया गया। इसमें एक सैनिक मारा गया। 28 अगस्त को इसी इलाके में एक और हमला किया गया। इसके अलावा क्वेटा के मियां घुंडी इलाके में लड़ाकों ने गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों को कुछ देर के लिए हिरासत में लिया और तीन कलाश्निकोव राइफलें छीन लीं। ग्वादर जिले के जीवानी में एक सैन्य शिविर पर ग्रेनेड हमला किया गया। बीएलए ने 21 अगस्त को खारन में एक व्यक्ति की हत्या की भी जिम्मेदारी ली। प्रवक्ता ने कहा कि यह व्यक्ति पाकिस्तानी एजेंसियों के लिए मुखबिरी करता था। 23 अगस्त को केच जिले के बुलेदा में तीन आपूर्ति ट्रक और एक क्रेन तथा चगाई जिले के दलबांडिन में दो अतिरिक्त आपूर्ति वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।

तियांजिंग में नहीं होगी मोदी-ओली की मुलाकात, भारतीय पक्ष ने नहीं दिया मिलने का समय

एजेंसी

काठमांडू। चीन के तियांजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के बीच संभावित मुलाकात अंतिमामय में आकर टाल दी गई है। चीन में नेपाल के राजदूत कृष्ण प्रसाद ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री के साथ नेपाल के प्रधानमंत्री ओली की साइडलाइन मुलाकात की संभावना न्यून होने की बात कही है। तियांजिंग में रहे भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से नेपाली राजदूत संकेत दिया है कि अब भारत के प्रधानमंत्री मोदी नेपाल के प्रधानमंत्री ओली से साइडलाइन मुलाकात नहीं करेंगे।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली के तरफ से भारतीय विदेश मंत्रालय के जरिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ साइडलाइन मुलाकात के लिए समय मांगा था। दोनों देशों के अधिकारी इस मुलाकात के लिए लगभग सहमत हो गए थे और छोटे समय के लिए भी इस

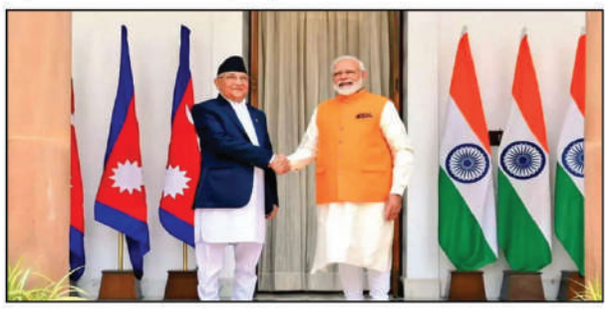

मुलाकात के लिए समय मिलाने का प्रयास कर रहे थे। भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि नेपाल के प्रधानमंत्री द्वारा चीन के राष्ट्रपति के समक्ष लिपुलेक का मामला उठाने के बाद अब इस मुलाकात का समय मिलाने का प्रयास छोड़ दिया गया है। तियांजिन में मौजूद नेपाल के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का भी कहना है कि भारतीय पक्ष से पहले मुलाकात को लेकर सकारात्मक बाते की जा रही थी लेकिन पिछले एक घंटे से अब मुलाकात की संभावना नहीं होने का संकेत दे दिया गया है। भारत के लिपुलेक पर अपना दावा करने वाले नेपाल ने चीन के साथ हाल ही में हुए समझौते के उस अंश का विरोध किया था जिसमें लिपुलेक पास के जरिए व्यापारिक मार्ग शुरू करने की बात उल्लेख की गई थी। चीन के राष्ट्रपति के साथ तियांजिन में हुई मुलाकात के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री ने अपनी आपत्ति जताई थी जिसके जवाब में चीन के राष्ट्रपति ने कहा कि यह नेपाल और भारत के बीच का मसला है और इस विषय में चीन नहीं पड़ना चाहता है। नेपाल के प्रधानमंत्री ओली के इस कदम के बाद अब उनके प्रस्तावित भारत भ्रमण को लेकर भी संशय उत्पन्न हो गया है। प्रधानमंत्री ओली की सितंबर 16-17 को भारत भ्रमण की तारीख तय की गई थी। लेकिन अब इस भ्रमण के तत्काल नहीं होने की संभावना बढ़ गई है।

भारत-चीन के बीच हुए लिपुलेख समझौते को लेकर नेपाल ने जिनपिंग के सामने किया विरोध

एजेंसी

काठमांडू। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में सहभागी होने के लिए तियांजिन पहुंचे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीनी राष्ट्रपति सी जिनपिंग के साथ मुलाकात कर भारत और चीन के बीच हुए समझौते पर आपत्ति व्यक्त की है। इस मुलाकात को लेकर नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि नेपाल की भूमि लिपुलेख को लेकर हुए समझौते पर नेपाल ने कड़ा विरोध किया है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि हाल ही में चीन और भारत के बीच लिपुलेख पास के जरिए व्यापारिक मार्ग पर समझौते करने पर प्रधानमंत्री ओली ने कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए इसे नेपाल का भ-भाग होने की बात कही। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय की तरफ से मीडिया को भेजे गए बयान में भी इस बात का जिक्र किया गया है। चीनी राष्ट्रपति के साथ हुई द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान मौजूद रहे नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के हवाले से कहा गया है कि लिपुलेख को लेकर नेपाल के तरफ से आपत्ति जताई गई है। नेपाल के प्रधानमंत्री इस समय तियांजिन में हैं, जो एससीओ शिखर सम्मेलन में डायलॉग पार्टनर देश के रूप में सहभागी होने के लिए पहुंचे हैं। आज ही तियांजिन पहुंचे ओली वहां से बीजिंग में होने वाले सैन्य परेड के भी सहभागी होने वाले हैं।

रूस ने यूक्रेन पर बढ़ाया दबाव, पूरी फ्रंटलाइन पर आक्रामक कार्रवाई का दावा

एजेंसी

मॉस्को/कीव। रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना यूक्रेन में लगभग पूरी फ्रंटलाइन पर लगातार आक्रामक अभियान चला रही है और रणनीतिक बढ़त उसके पास है। रूस के जनरल स्टाफ प्रमुख वालेरी गेरासिमोव ने यह बयान देते हुए कहा कि रूसी बलों ने हाल के महीनों में यूक्रेन के कई इलाकों में कब्जा मजबूत किया है। गेरासिमोव ने रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी अपने संबोधन में कहा, 'संयुक्त सैन्य बल लगभग पूरी फ्रंटलाइन पर लगातार आक्रामक अभियान चला रहे हैं। वर्तमान में रणनीतिक पहल पूरी तरह से रूसी बलों के पास है।' हालांकि उन्होंने मास्को द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है। गेरासिमोव ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के शहरों और कस्बों पर हवाई हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। बीते राजधानी

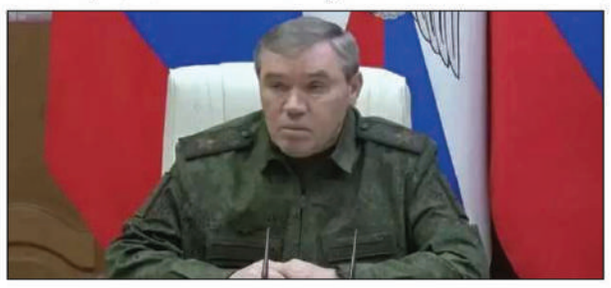

कीव पर हुए हवाई हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हुए। यह हमला उस बैठक के कुछ दिनों बाद हुआ जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अलास्का में मुलाकात की थी। अमेरिका ने उम्मीद जताई थी कि यह बैठक युद्ध को खत्म करने की दिशा में मददगार होगी। गेरासिमोव के मुताबिक, रूस अब पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र के 99.7फीसदी, डोनेट्स्क के 79फीसदी, जापोरिज्जिया के 74फीसदी और खेरसोन के 76फीसदी हिस्से पर नियंत्रण कर चुका है। मार्च से अब तक रूसी सेना ने 3,500 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र और 149 गांवों पर कब्जा किया है। इसके अलावा, रूस ने दावा किया कि उसकी सेना यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी दिनप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में भी दबाव बना रही है और सात गांवों पर नियंत्रण कर लिया है। रूस का कहना है कि उसने यूक्रेन के रक्षा उत्पादन प्रतिष्ठानों पर 76 लक्षित हमले किए हैं। इनमें लंबी दूरी की मिसाइलें और ड्रोन बनाने वाली इकाइयां शामिल हैं। हालांकि, यूक्रेन का आरोप है कि रूस ने जानबूझकर घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया, जिससे हजारों नागरिकों की मौत हुई।

यूक्रेन के दिग्गज नेता आंद्रिय परुबी की गोली मारकर हत्या, राष्ट्रपति बोले- सोची-समझी साजिश

एजेंसी

कीव। यूक्रेन की राजनीति में बड़ा झटका लगा है। पश्चिमी शहर ल्वीव में एक राष्ट्रवादी सांसद आंद्रिय परुबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार यह हमला सावधानीपूर्वक योजना बनाकर किया गया था और हमलावर अभी तक फरार है। ल्वीव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मैक्सिम कोजित्स्की ने बताया कि परुबी को कई गोलियां मारी गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हमलावर ने शॉर्ट बैरल फायरआर्म का इस्तेमाल किया और पूरी तरह तैयार होकर वारदात को अंजाम दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हत्या को भयावह और योजनाबद्ध अपराध करार दिया। उन्होंने कहा, यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, यह यूक्रेन के दिल पर वार है। वहीं, सांसद इरिना गेरेशचेंको ने हत्या को आतंकवाद बताया। पूर्व राष्ट्रपति पेत्रो पोरोशेंको ने कहा, यह हमला न केवल एक व्यक्ति पर है, बल्कि सेना, भाषा और विश्वास पर हमला है। इस घटना पर यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेत्सोला ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि वह इस हत्या से हिल गई हैं। एस्टोनिया और पोलैंड के अधिकारियों ने भी परुबी को श्रद्धांजलि दी।उल्लेखनीय है कि 54 वर्षीय परुबी 1990 से यूक्रेन की राजनीति में सक्रिय थे। उन्होंने 1991 में सोशल-नेशनल पार्टी ऑफ यूक्रेन की सह-स्थापना की थी। वे 2007 से लगातार सांसद रहे और कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे। परुबी ने 2004 की ऑरिंज क्रांति और 2013-14 की मैदान क्रांति में अहम भूमिका निभाई। 2014 में वे यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव बने। 2019 में उन्होंने एक ऐतिहासिक कानून पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कुछ सार्वजनिक क्षेत्रों में यूक्रेनी भाषा का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित किया गया।

हूती विद्रोहियों ने माना, इजराइली हमले में प्रधानमंत्री अल-रहावी समेत कई मंत्री मारे गए

एजेंसी

सना। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने पहली बार स्वीकार किया है कि उनके प्रधानमंत्री अहमद गालेब नासिर अल-रहावी और कई शीर्ष मंत्री इजराइली हमले में मारे गए हैं। यह हमला राजधानी सना में एक अपार्टमेंट पर गुरुवार को किया गया था। हूती नेता महदी अल-मशात ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम लड़ाके अहमद गालेब नासिर अल-रहावी और उनके कई मंत्री सहयोगियों की शहादत की घोषणा करते हैं, जिन्हें इजराइल के विश्वासघाती आपराधिक दुश्मन ने निशाना बनाया। अल-रहावी अगस्त 2024 से हूती नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत थे। बयान के अनुसार, हमला उस समय हुआ जब प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की टीम एक नियमित कार्यशाला में पिछले साल के प्रदर्शन की समीक्षा कर रही थी। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) का अनुमान है कि प्रधानमंत्री समेत पूरे कैबिनेट के लगभग 12 मंत्री इस हमले में मारे गए होंगे। हालांकि, यह आकलन अभी अंतिम नहीं है और हमले के नतीजों को स्पष्ट करने के लिए जांच जारी है।उल्लेखनीय है कि गुरुवार का हमला यमन में हूती ठिकानों पर इजराइल का 16वां हमला था। हूती समूह, जिसने अपना नारा अमेरिका की मौत, इजराइल की मौत, यहूदियों पर लानत दिया है, ने नवंबर 2023 में इजराइल एवं समुद्री यातायात पर हमले शुरू किए थे।

पाकिस्तान के पंजाब में नदियों ने मचाई तबाही

कसूर शहर को डूबने से बचाने कि लिए सतलुज के तट का एक हिस्सा उड़ाया गया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पचास के दशक के बाद पहली बार सतलुज नदी में सन्नाटे को चीरने वाली 'ऊंची लहरें' देखी गई हैं। आफत बनकर आया मानसून कहर बरपा रहा है। सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। प्रांत के आठ जिले बाढ़ से प्रभावित है। अधिकारियों को कसूर शहर को डूबने से बचाने के लिए शुक्रवार को सतलुज नदी के तट के एक हिस्से को उड़ाना पड़ा। कम से कम 28 लोग अब तक जान गंवा चुके हैं। इनमें से ज्यादातर गुजरांवाला संभाग से हैं।द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर में प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के हवाले से यह जानकारी दी गई। पीडीएमए ने पुष्टि की है कि रावी और चिनाब के ऊपरी इलाकों में तो जलस्तर कम होने लगा है लेकिन नीचे की ओर

जल प्रवाह तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच, सतलुज नदी 1955 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इसके कारण अधिकारियों को कसूर शहर को डूबने से बचाने के लिए आरआरए-1 तटबंध को तोड़ने का फैसला लेना पड़ा। पीडीएमए के एक अधिकारी ने कहा, सतलुज का पानी कसूर की ओर बढ़ रहा था। कसूर को बचाने के लिए हमें रहीमयार तटबंध तोड़ना पड़ा। पीडीएमए ने ओकारा और साहीवाल में मंडरा रहे खतरे की भी चेतावनी दी है। प्राधिकरण ने कहा है कि रावी नदी का बढ़ता उफान 36 घंटों के भीतर सदानी को जलमग्न कर सकता है। बल्लोकी में रावी का जलस्तर बढ़ने से बांध को खतरा हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का पानी लाहौर शहर के बाहरी इलाकों में पहुंच गया। इस पंजाब के प्रमुख शहर झंग के जलमग्न होने का खतरा पैदा हो गया। इस बीच, पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने आज शाम तक भारी बारिश, तेज हवा चलने और गरज के साथ तूफान आने का पूर्वानुमान जताया है। पीएमडी के अनुसार, पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, पीओके , इस्लामाबाद और पोटोहर क्षेत्र में भूस्खलन की आशंका है। उत्तर-पूर्वी बलूचिस्तान, दक्षिण-पूर्वी सिंध और गिलगित-बाल्तिस्तान में भी भारी बारिश हो सकती है।

तेल एवं गैस के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं: हरदीप पुरी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत ने खेलों के लिए अपनी नीतिगत प्राथमिकता और सार्वजनिक निवेश बढ़ाया है। उन्होंने कहा, इस संबंध में भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने अग्रणी भूमिका निभाई है।पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि हरदीप सिंह पुरी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) द्वारा दिल्ली सॉकर एसोसिएशन और सुदेवा अकादमी के सहयोग से यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ये बात कही। भारत के खेल क्षेत्र में आए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा, 2014 के बाद, भारत को एक 'खेल राष्ट' बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। अब होनहार युवाओं को न केवल वित्त पोषण के मामले में, बल्कि पोषण, खेल विज्ञान और कोचिंग सहित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी, उच्च स्तरीय सफलता प्राप्त करने के लिए भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संसद के पिछले सत्र में जो केवल एक हफ्ते पहले ही संपन्न हुआ है, ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 पारित किया गया है, जिसका उद्देश्य खेल महासंघों और निकायों के प्रशासनिक ढांचे में सुधार करना है - जिससे जवाबदेही बढ़ेगी।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अगस्त में 20,635 करोड़ रुपये निकाले

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अगस्त में भारतीय पूंजी बाजार में भारी बिकवाली की और शुद्ध रूप से बाजार से 20,635 करोड़ रुपये निकाले। इसका मतलब यह है कि उन्होंने जितना पैसा बाजार में लगाया उससे 20,635 करोड़ रुपये ज्यादा निकाला। यह इस साल फरवरी के बाद की सबसे बड़ी निकासी है। अगस्त में एफआईआई ने इक्विटी बाजार से 34,993 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट में उन्होंने खरीददारी जारी रखी और उनकी शुद्ध लिवाली 12,662 करोड़ रुपये रही। म्युचुअल फंड में उन्होंने 1,546 करोड़ रुपये और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 151 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। यह लगातार तीसरा महीना है जब विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाल रहे हैं। इससे पहले, जुलाई में उन्होंने 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। साल के पहले आठ महीने में से मार्च और मई को छोड़कर एफआईआई ने बाजार से पैसे निकाले हैं। पूरे साल के दौरान उनकी शुद्ध निकासी 72,040 करोड़ रुपये रही है जिसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 1,24,453 करोड़ रुपये निकाले हैं। डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं जबकि हाइब्रिड में उनका निवेश नकारात्मक रहा है।

गेहूं मजबूत, चावल नरम, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव, चीनी और दालें सस्ती

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये जबकि गेहूं में तेजी रही। चीनी और दालों में भी गिरावट देखी गयी। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। घरेलू थोक बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत तीन रुपये कम होकर सप्ताहांत पर 3,827.63 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। वहीं, गेहूं करीब 14 रुपये महंगा होकर 2,855.55 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की औसत चार रुपये बढ़ी और यह 3,310.84 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल में करीब 53 रुपये और वनस्पति में आठ रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक तेजी रही। सोयाबीन तेल 19 रुपयों और सूरजमखी तेल 41 रुपये महंगा हुआ। वहीं,पाम ऑयल 11 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। बीते सप्ताह दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल औसतन करीब तीन रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। उड़द दाल में 12 रुपये और दाल मूंग में 24 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। तुअर दाल भी करीब 49 रुपये उतर गयी जबकि मसूर दाल की कीमत कमोबेश स्थिर रही।

अगले सप्ताह बाजार पर दिखेगा जीडीपी के आंकड़ों का असर

मुंबई। बीते सप्ताह रही बड़ी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में शेयर बाजारों में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के उत्साहजनक आंकड़ों का असर दिख सकता है।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा 29 अगस्त को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर 7.8 प्रतिशत रही। ये आंकड़े बाजार खुलने के बाद जारी किये गये थे, इसलिए इनका असर सोमवार को ही दिखेगा। साथ ही तेजी से बदलते वैश्विक कारक भी निवेश धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। पिछले सप्ताह बाजार में बुधवार को गणेश चतुर्थी की छुट्टी के कारण चार दिन ही कारोबार हुआ। इसमें अंतिम तीन दिन बाजार में बिकवाली देखी गयी। बीएसई का सेंसेक्स 1,497.20 अंक यानी 1.84 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ शुक्रवार को इस साल 09 मई के बाद के निचले स्तर 79,809.65 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 443.25 अंक (1.78 फीसदी) टूटकर 24,426.85 अंक पर आ गया जो इसका 08 अगस्त के बाद का निचला स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली और ज्यादा देखने को मिली।

देश में बनी वस्तुएं ही खरीदें नागरिकः चौहान

एजेंसी
विदिशा। केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान विदिशा में नागरिकों से स्वदेशी वस्तुएं अपनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हम सभी को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने की आवश्यकता है। यदि हम देश में निर्मित वस्तुओं को खरीदेंगे तो देश के लोगों को रोजगार मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान विदिशा में मेजर ध्यानचंद की 120वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर हर गली, हर मैदान, खेले सारा हिंदुस्तान की थीम पर एसएटीआई विदिशा से आयोजित साइकिल रैली में शामिल हुए। उन्होंने स्वयं एसएटीआई परिसर से स्वामी विवेकानंद तिराहे तक साइकिल चलाकर खेल गतिविधियों में हिस्सा लेकर फिट रहने का संदेश दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान एसएटीआई से साइकिल चलाते हुए नगर के नीमताल, बस स्टैंड से होते हुए स्वामी विवेकानंद चौराहा पहुंचे। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और स्कूली बच्चों ने भी इस रैली में साइकिल चलाई। इसके पहले केंद्रीय मंत्री चौहान ने एसएटीआई परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फिट वही रहते हैं जो हिट रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी देश को फिटनेस का मंत्र दिया है। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने बच्चों और बड़ों को संबोधित करते हुए कहा कि फिट रहने के लिए तेल से निर्मित चीजों को ना खाएं शरीर को स्वस्थ बनाए रखें, इसके लिए खेल गतिविधियों में हिस्सा भी लें। उन्होंने इस दौरान बताया कि अब विदिशा संसदीय क्षेत्र में खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए सांसद खेल महोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें पूरे संसदीय क्षेत्र की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके लिए पहले गांव-गांव के खिलाड़ियों के मध्य मुकाबला होगा जो टीम जीतेंगी, वह तहसील स्तर पर पार्टिसिपेट करेंगी और तहसील स्तर पर जीतने वाली टीमें जिला स्तर पर खेल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि संसदीय क्षेत्र की सभी आठ विधानसभाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होगी, जिसमें चार प्रतियोगिताएं क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो और कुश्ती प्रतियोगिता शामिल होगी। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर भी विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अद्भुत जादूगर थे, हॉकी के खेल में उन्होंने देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है।

एएआई के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल विजय 232 करोड़ के गबन के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल विजय को लगभग 232 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई को एएआई से एक शिकायत मिली, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीबीआई के अनुसार, राहुल विजय पर आरोप है कि उन्होंने देहरादून हवाई अड्डे पर तैनात रहते हुए सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर एएआई के पैसों में धोखाधड़ी की और 232 करोड़ रुपये अपने निजी खाते में जमा कर लिए। सीबीआई की जांच में सामने आया कि राहुल विजय ने 2019 से 2023 के बीच फर्जी संपत्तियां बनाई और कुछ संपत्तियों के मूल्यों में हेरफेर किया। उसने सरकारी रिकॉर्ड में बदलाव करके और डुप्लिकेट एंट्री जोड़कर अपनी धोखाधड़ी को छिपाया। उसने सार्वजनिक धन को अपने निजी खाता में ट्रांसफर किया। इसके बाद, जांच में यह भी पाया गया कि आरोपी ने जमा की गई धनराशि को व्यापारिक खातों में ट्रांसफर कर लिया, जिससे यह साबित हुआ कि उसने सरकारी पैसे की हेराफेरी की। सीबीआई ने 28 अगस्त को राहुल विजय के जयपुर स्थित आधिकारिक और निजी घरों की तलाशी ली। तलाशी में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और संपत्ति से जुड़ी जानकारी बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

सर्राफा बाजार में मिला-जुला कारोबार, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मिला-जुला रुख बना हुआ है। वहीं, चांदी के भाव में आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 290 रुपये टूट कर 1,02,450 रुपये से लेकर 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 160 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत होकर 94,200 रुपये से लेकर 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,21,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 94,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 94,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उतार चढ़ाव का रुख बना रहा। इन तीनों राज्यों की बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की जीडीपी ग्रोथ में उछाल पर मनोहर लाल ने जताई खुशी, कहा- भारत किसी के सामने झुकने वाला देश नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी से बढ़कर 7.8 फीसदी पहुंचने पर केंद्रीय आवास और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए टैरिफ विवाद पर इशारों-इशारों पर अमेरिकी राष्ट्रपति पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत जब अपने पैरों पर खड़ा होता है तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखता। दुनिया के जिन देशों को भारत की ताकत का एहसास नहीं है, उन्हें एहसास हो जाए कि भारत किसी के सामने झुकने वाला नहीं है। मनोहर लाल ने इस वृद्धि को वैश्विक चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बावजूद प्राप्त की गई महत्वपूर्ण सफलता बताया। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की 7.8% की विकास दर ने उन सभी समीकरणों को ध्वस्त कर दिया है जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड इकॉनमी' करार दिया था। उन्होंने कि यह आंकड़े ऐसे समय में आए हैं जब अमेरिकी टैरिफ के कारण देश के लोग संशय में थे। देश की जीडीपी में इस वृद्धि का प्रमुख कारण

प्रधानमंत्री मोदी और देश के मेहनतकश नागरिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह सफलता देशवासियों की मेहनत और सामर्थ्य का परिणाम है। उन्होंने कहा मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और एग्रीकल्चर सेक्टर का बेहतर प्रदर्शन रहा है। इन क्षेत्रों में सुधार और वृद्धि ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, जिससे जीडीपी में यह उछाल आया।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा- अमेरिकी टैरिफ के कारण शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, पूरे सप्ताह बना रहा बिकवाली का दबाव

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत पर थोपे गए अतिरिक्त टैरिफ की वजह से बने दबाव के माहौल और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद इस सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। शुक्रवार 29 अगस्त को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 1,497.20 अंक यानी 1.84 प्रतिशत टूट कर 79,809.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 443.25 अंक यानी 1.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,426.85 अंक के स्तर पर इस सप्ताह के कारोबार का अंत किया। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबारी सप्ताह में बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल एचडीएफसी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी, आईडीबीआई बैंक, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंटर ग्लोब एवियेशन, हुंडई मोटर इंडिया, आरईसी, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, वारी एनर्जीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। इसी तरह बीएससी का मिडकैप इंडेक्स 25 से 29 अगस्त के कारोबारी सप्ताह के दौरान तीन प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल पी बी फिनटेक, टाटा एलेक्सी, निप्पॉन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, बंधन बैंक, इमामी, क्रिसिल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट और अजंता फार्मास्यूटिकल्स के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल, कन्साइ नैरोलैक पेंट्स, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और डालमिया भारत के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। मिडकैप की तरह ही बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स भी पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान साप्ताहिक आधार पर 3 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से पनामा पेट्रोकेम, विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया, ब्लू जेट हेल्थकेयर, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज, एंजेल वन, शंकरा बिल्डिंग प्रोडक्ट्स, रैमकी इंफ्रास्ट्रक्चर, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, साई लाइफ साइंसेज, टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज, सिल्वा सीमेंट और जीओसीएल कॉरपोरेशन के शेयर 10 से 13 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए।

भारत जल्द ही बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : संजय मल्होत्रा

एजेंसी
नई दिल्ली/इंदौर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने देश की वृद्धि को बढ़ावा देने का श्रेय प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) को दिया। संजय मल्होत्रा ने इंदौर के रंगवासा गांव में सरकारी बैंकों के वित्तीय समावेशन अभियान 'संतृप्ति शिविर' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त कही, जब देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही(अप्रैल-जून) में उम्मीद से बेहतर 7.80 फीसदी रही है। अमेरिका के भारी टैरिफ लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में यह वृद्धि दर सबसे ज?यादा है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि केंद्र सरकार और आरबीआई ने 11 साल पहले बैंकों के सहयोग से जन-धन योजना शुरू की थी, जिससे पूरे देश में विकास हुआ। उन्होंने कहा, आज

भारत दुनिया के पांच सबसे विकसित देशों में गिना जाता है और बहुत जल्द देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।संजय मल्होत्रा ने कहा कि देश की विकास यात्रा में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें बचत, पेंशन, बीमा, ऋण और अन्य सेवाएं प्रदान करने के लिए इस योजना के तहत 55 करोड़ खाते खोले गए हैं। इस कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के अध्यक्ष सी. एस. सेट्टी भी उपस्थित थे।

बड़े स्थानीय बाजार की बदौलत भारतीय उद्योग जगत सहज स्थिति में : पीयूष गोयल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत 1.4 अरब लोगों के घरेलू बाजार के कारण 'आरामदायक, सहज स्थिति' में है, उन्हें वैश्विक स्तर पर अवसर तलाशने की जरूरत है। पीयूष गोयल ने यहां आयोजित उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 'भारत-यूएई व्यापार संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने यह टिप्पणी भारतीय अर्थव्यवस्था पर उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर गहरी चिंताओं के बीच की। वाणिज्य मंत्री ने भारतीय उद्योग जगत से किसी भी 'नकारात्मक दलील' से प्रभावित न होने को कहा और याद दिलाया कि

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी हो गई है। उद्योग निकाय सीआईआई के कार्यक्रम 'भारत-यूएई व्यापार संवाद' में गोयल ने स्वीकार किया कि घरेलू बाजार विकास के सबसे बड़े चालकों में से एक है और उन्होंने उद्योग की भूमिका पर भी खुलकर बात की। वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'मुझे अक्सर लगता है कि 1.4 अरब का विशाल घरेलू बाजार एक तरह से आरामदायक क्षेत्र बन गया है। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें व्यवसायों और लोगों, दोनों पर भरोसा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ मिलकर किसी भी बाधा का समाधान करने के लिए तैयार है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हमारे व्यवसाय यहां अच्छा मुनाफा कमाते हैं और दुनिया भर में अवसरों की तलाश में बाहर नहीं निकलते। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश व्यापार मंत्री थानी बिन अहमद अल जायोदी के साथ उद्योग जगत के दिग्गजों की सभा को संबोधित करते हुए हितधारकों को विकास के अवसरों का लाभ उठाने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही हरित ऊर्जा, एआई, फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा नवाचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत-यूएई व्यापार और निवेश साझेदारी को और गहरा करने की अपार संभावनाओं पर जोर दिया।

लीप इंडिया ने 2400 करोड़ के आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी
नई दिल्ली। मुंबई स्थित लीप इंडिया ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 2400 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक लीप इंडिया के एक रुपये अंकित मूल्य वाले प्रस्तावित इस आईपीओ में 400 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और वर्टिकल होल्डिंग्स द्वद्व प्राइवेट लिमिटेड और केआईए ईबीटी स्कीम 3 सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,000 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इसमें

पात्र कर्मचारियों के लिए आरक्षण शामिल है, जिसमें कर्मचारी कोटे के तहत शेयरों पर छूट दी जाएगी पूर्ति शृंखला क्षेत्र में ऑन-डिमांड एसेट पूलिंग प्रदाता कंपनी लीप इंडिया नए निर्गम से प्राप्त आय में से 300 करोड़ रुपये उधारों के पूर्व भुगतान के लिए इस्तेमाल करेगी, जबकि शेष राशि कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में खर्च करेगी। यह आईपीओ बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए संचालित किया जाएगा, जिसमें शुद्ध प्रस्ताव का 50 फीसदी तक योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित होगा, जबकि 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए और 35 फीसदी खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के लिए आरक्षित होगा। उल्लेखनीय है कि 2013 में स्थापित लीप इंडिया ने अपना व्यवसाय साझा करें और पुनः उपयोग करें सर्कुलर मॉडल पर आधारित किया है, जिसे पूलिंग कहा जाता है।

हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई तय करने के लिए जल्द ही होगा अध्ययनः नायडू

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि आगामी हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन शुरू किया जाएगा। इसके

लिए आईसीएओ विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यहां के अशोका होटल में नारेडको के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने अपने संबोधन में आगामी हवाई अड्डों के आसपास रियल एस्टेट विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन?होंने कहा कि सरकार एयरपोर्ट और उनके आसपास सेवाओं को बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार कर रही है। रियल एस्टेट क्षेत्र के संगठन नारेडको के सम्मेलन में नायडू ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 88 बढ़कर 162 हो गई है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाना है और देश में 350 से ज़्यादा हवाई अड्डे बनाने की क्षमता है।

ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव में मिले साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मुख्यमंत्री

एजेंसी
भोपाल। पर्यटन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में बड़ी अहम भूमिका निभाता है। पर्यटन से राष्ट्रीय आय तो बढ़ती ही है, साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। पर्यटन और तीर्थाटन, ये हमारे देश और विशेषकर मध्य प्रदेश की समृद्धि के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं। मध्यप्रदेश, देश का दिल है। प्रदेश की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ही पर्यटन विकास को विशेष महत्व दिया जा रहा है। राज्य सरकार समावेशी प्रयासों के जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर पर्यटन क्षेत्र के विस्तार और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर के राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि कॉन्क्लेव में साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ हैं। पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 6 निवेशकों को लैटर ऑफ अलॉटमेंट प्रदान किये गये, इससे 60 करोड़ से अधिक का निवेश और बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र हैं। इनके संरक्षण और प्रचार-प्रसार से प्रदेश न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि 'आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध भारत' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर ग्वालियर में पहली बार रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव हो रहा है। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर संगीत सम्राट तानसेन और बैजू बावरा की विरासत है। राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्वविद्यालय, ग्वालियर के भवन निर्माण के लिए 50 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। जीवाजी विश्वविद्यालय में पीएम उषा योजना के तहत विकास कार्यों के लिए भी बड़ी धनराशि दी गई है। ग्वालियर के राजा मानसिंह किले में विभिन्न विकास कार्यों के लिए इंडिगो कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी फंड (सीएसआर कोष) से 100 करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पूरी दुनिया को देश की विरासतों और पर्यटन केंद्रों के बारे में बता रहे हैं। वे 'मेक इन इंडिया', 'मेड इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान के जरिए देश के नागरिकों को स्वदेशी से स्वाबलंबन की ओर प्रवृत्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर की रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में उद्योगपति सचिन गुप्ता ने 1000 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा अन्य निवेशकों एवं उद्योग समूहों की ओर से कुल 3500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव राज्य सरकार को इस कान्क्लेव के माध्यम से मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि यह कॉन्क्लेव 11 से 13 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली 'मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट' की तैयारियों का हिस्सा है। टूरिज्म सैक्टर के लिए यह महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रविवार (31 अगस्त) को मुरैना जिले को अनेक सौगातें मिलेंगी। मुरैना के पीपरसेरा औद्योगिक प्रक्षेत्र में करीब 500 करोड़ रुपए की लागत से हाइड्रोजन कारखाने का शिलान्यास किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में प्रमुख निवेशकों ने ग्वालियर-चंबल और सागर संभाग में निवेश की इच्छा जताकर पर्यटन के विकास की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। यह ऐतिहासिक पल दोनों संभागों के लिए आर्थिक समृद्धि और रोजगार के नए द्वार खोलेगा।

सारा अली खान

और आयुष्मान की पति-पत्नी और वो 2 के क्रू के साथ प्रयागराज में हुई मारपीट ?

पति पत्नी और वो की शूटिंग इन दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रही है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान भी फिल्म के लिए प्रयागराज में मौजूद हैं। अब रेडिट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि शूटिंग के दौरान वहां के रहने वाले लोगों और फिल्म के क्रू के बीच किसी बात को लेकर अनबन हो गई। ये भी दावा किया जा रहा है कि एक क्रू मेंबर की पिटाई भी की गई है। हालांकि, फिल्म मेकर्स की तरफ से इस दावे पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

क्रू के साथ मारपीट का वीडियो

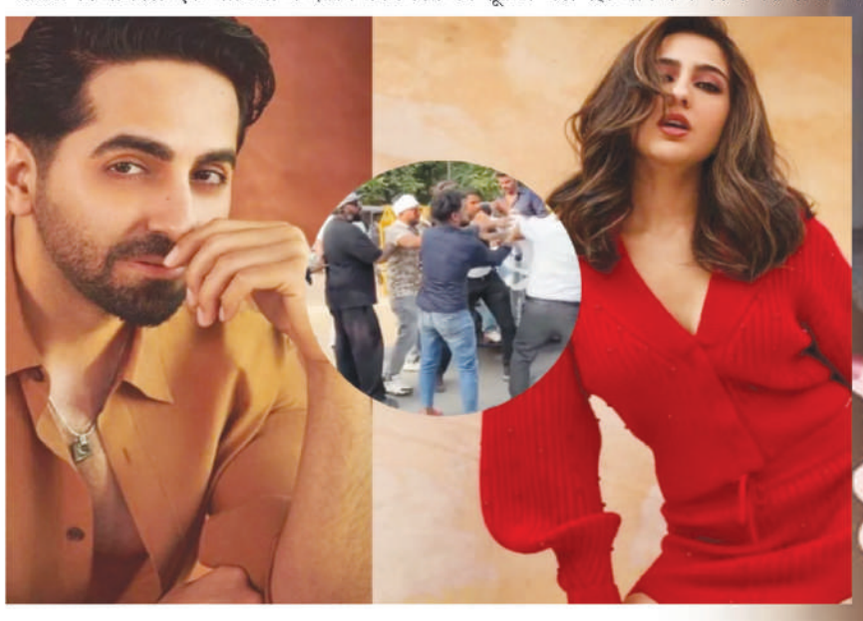

रेडिट पर वायरल एक वीडियो में देखने को मिला की शूटिंग चल रही थी। क्रेन पर कैमरा लगा था

और तभी कुछ लोग आते हैं और एक क्रू मेंबर को मारने लगते हैं। वीडियो में दावा किया जा रहा है जिस व्यक्ति पर हमला हुआ वो फिल्म के डायरेक्टर हैं। हालांकि, मेकर्स ने ऐसी कोई जानकारी पब्लिक प्लेटफॉर्म में नहीं रखी है।

वहीं, एक वीडियो में नजर आ रहा है कि सारा अली खान और आयुष्मान खुराना एक दूसरे से बहस कर रहे हैं। हालांकि, वो वीडियो फिल्म की शूटिंग का हिस्सा बताया जा रहा है। मारपीट वाले वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स का भी रिएक्शन आया है।

क्या बोल रहे सोशल मीडिया यूजर्स

मारपीट वाले वायरल वीडियो पर एक यूजर ने लिखा- बिना सिक्योरिटी के ये लोग कैसे शूट कर रहे थे। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा- इन सब हरकतों की वजह से ही बॉलीवुड के लोग रियल लोकेशन पर शूट करना पसंद नहीं करते हैं। वहीं, कुछ यूजर्स ने लिखा कि कई फिल्मों के क्रू के लोग आम आदमियों से बुरी तरह व्यवहार करते हैं। इसी वजह से ऐसा होता है। इस कमेंट के जवाब में एक यूजर ने लिखा- जब हर घंटे 70 से 80 हजार खर्च हो रहे हों, हर गलत टेक पर पैसा बर्बाद होता है। ऐसे में गुस्सा होना जायज है। भारत में वैसे भी लोग टाइम पास हैं।

'Raanjhaan' के सिंगर्स ने चोरी के आरोपों को बताया निराधार, बोले- कड़ा कदम उठाएंगे

नेटफ्लिक्स की फिल्म दो पत्ती को सभी ने पसंद किया था. फिल्म में कृति सेनन, काजोल और साहिर शेख ने लीड रोल निभाया था. फिल्म का गाना रांझण आज भी काफी पसंद किया जाता है. ये गाना फिलहाल इंडिया के मोस्ट पॉपूलर गानों की लिस्ट में कई बार शामिल हो चुका है. जहां इस गाने को हर कोई पसंद करता है, वहीं गाने को लेकर फिल्म के मेकर्स एक नए विवाद में फंस गए हैं.बीते दिनों खबर आई थी कि एक इंटरनेशनल म्यूजिक प्रोड्यूसर ने टी-सीरीज और गाने के कंपोजर सचेत-परंपरा पर अपना म्यूजिक चोरी करने का आरोप लगाया था. इस म्यूजिक प्रोड्यूसर का नामचर्ख्यै है और उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने में इस्तेमाल हुए बीट्स को अपना बताया था. म्यूजिक प्रोड्यूसर का आरोप था कि उसने टी-सीरीज से कई बार सम्पर्क किया, लेकिन किसी ने भी उनकी बात नहीं सुनी.

डिफेमेशन का केस करेंगे सचेत-परंपरा

म्यूजिक प्रोड्यूसर ने कहा कि जब किसी ने भी उनसे सम्पर्क नहीं किया, तो थक हारकर उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया. KMKZ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस मामले से जुड़े कई वीडियो शेयर किए थे. अब गाने के सिंगर और कंपोजर साचेत-परंपरा ने आरोपों पर जवाब दिया है. उन्होंने म्यूजिक प्रोड्यूसर के सारे आरोपों को गलत और बेबुनियाद बताया और कहा कि वो म्यूजिक प्रोड्यूसर पर डिफेमेशन का केस दर्ज करवाएंगे.

सचेत-परंपरा ने कहा ये शख्स गलत आरोप लगा रहा है. ये सीधा-सीधा कंट्रोवर्सी बनाने और फेमस होने के इरादे से किया जा रहा है. हमने अपने वकीलों से बात की है और उसके खिलाफ एक डिफेमेशन का केस दर्ज करवाने का फैसला लिया है. हम एक कड़ा कदम उठाएंगे ऐसे शख्स के खिलाफ जो इस तरह की हरकत करता है. हमने हमारे काम की रियल फाइल्स और पियानो स्कोर पहले ही YouTube, Spotify और बाकी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को भेज दिए हैं, जिनमें से सभी ने हमारे हक की पुष्टि की है और किसी भी तरह के कॉपीराइट क्लेम्स से सरासर इंकार कर दिया है.

म्यूजिक प्रोड्यूसर ने क्या कहा था ?

KMKZ के आरोपों की बात करें तो उसने अपने वीडियो में कहा कि 'रांझण' सॉन्ग के वीडियो पर करोड़ों व्यूज हैं और इस गाने के बीट्स को उनके वाले बीट्स से कॉपी किया गया है, जिसे उनकी बिना इजाजत के लिया गया है. उनका आरोप है कि ना तो उनके काम के लिए उनको कोई पैसा दिया गया और ना ही इन बीट्स के लिए उनको किसी तरह का क्रेडिट दिया गया.

तीन बच्चे और साउथ में बसने का इरादा, जान्हवी कपूर ने बताया फ्यूचर प्लान

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने अपने फ्यूचर प्लान पर बात की है. उन्होंने कहा कि वो चाहती हैं कि उनके तीन बच्चे हों. शादी के बाद वो अपने पति के साथ साउथ में बसना चाहती हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में चल रही हैं. वजह है उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'परम सुंदरी'. ये फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसमें जान्हवी के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा दिखे हैं. ये रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं. दोनों इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं. इसी बीच जान्हवी ने अपने फ्यूचर प्लान पर बात की है.

दरअसल, 'परम सुंदरी' के प्रमोशन के सिलसिले में सिद्धार्थ और जान्हवी कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पहुंचे. शो में कपिल ने इस बात का जिक्र किया कि जान्हवी का इरादा शादी के बाद साउथ में बसने का है. साथ ही वो चाहती हैं कि उनके तीन बच्चे हों. आगे कपिल ने जान्हवी से ये सवाल किया कि वो तीन बच्चे क्यों चाहती हैं.

जान्हवी कपूर ने क्या जवाब दिया ?

कपिल के सवाल का जवाब देते हुए जान्हवी ने कहा, मुझे लगता है कि अच्छा होता है. तीन, पहले तो मेरे लिए लकी नंबर है. और दूसरी बात है कि लड़ाई-झगड़े अक्सर दो के बीच होते हैं. ऐसी हालत में एक का सपोर्ट जरूरी होता है. एक बहन या लड़का जो भी होगा, वो डबल ढोलकी होगा. दोनों तरफ से खेलेगा. दोनों को सपोर्ट मिलेगा. तो मैंने बहुत सोच समझकर ये प्लानिंग की है.जान्हवी ने एक एक पुराने इंटरव्यू में भी इस बारे में बात की थी. उन्होंने कहा था, मेरी प्लानिंग शादी करके तिरुमला तिरुपति में बसने की है. हम केले के पत्ते पर खाना खाएंगे और हर रोज 'गोविंदा गोविंदा' सुनेंगे. मेरे बालों में मोगरा होगा और मैं मणिरत्नम का म्यूजिक सुनुंगी.

'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

बहरहाल, जान्हवी की फिल्म पर नजर डालें तो 'परम सुंदरी' को तुषार जलोटा ने डायरेक्ट किया है. इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स ने किया है. बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म को पहले दिन अच्छा रिस्पॉन्स मिला.

ये ऑफिशियल है...

ईशा देओल

के एक्स हसबैंड को फिर मिला प्यार? रोमांटिक तस्वीर के साथ कही दिल की बात

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल लंबे वक्त से फिल्मी दुनिया से दूर हैं. हालांकि अपने तलाक के दौरान वो खूब चर्चा में छाई रहीं. लेकिन अब लगता है ईशा देओल के पूर्व पति भरत तख्तानी को फिर से प्यार हो गया है. हाल ही में भरत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मेघना लखानी नाम की एक मिस्ट्री गर्ल के साथ एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की. तस्वीर में, भरत मेघना को गले लगाए हुए और एक-दूसरे की आंखों में खोए हुए नज़र आ रहे थे.शेयर की गई तस्वीर के साथ कैप्शन में ईशा देओल के पूर्व पति ने लिखा, परिवार में आपका स्वागत है, यह ऑफिशियल है. मेघना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी स्टोरी को रीशेयर किया. इसके अलावा उन्होंने एक और तस्वीर शेयर की, जिसमें वह भरत के साथ पोज़ देती नज़र आ रही हैं.

11 साल बाद हुआ ईशा और भरत का तलाक

ये तो सभी जानते हैं कि भरत तख्तानी की शादी पहले ईशा देओल से हुई थी. उन्होंने 2012 में शादी की थी, लेकिन शादी के 11 साल बाद, यानी 2024 में दोनों ने अलग होने की घोषणा की. उन्होंने एक संयुक्त बयान जारी कर बताया कि उनका अलगाव आपसी और सौहार्दपूर्ण है. बयान में कहा गया है, हमने आपसी सहमति से और सौहार्दपूर्ण ढंग से अलग होने का फैसला किया है. हमारे जीवन में इस बदलाव के दौरान, हमारे दोनों बच्चों का सर्वोत्तम हित और कल्याण हमारे लिए सर्वोपरि है और रहेगा. हम चाहेंगे कि हमारी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए.

बेटी के तलाक से दुखी थे धर्मेंद्र

बता दें, ईशा और भरत की दो बेटियां राध्या और मिराया हैं, जिसमें से एक छह साल और दूसरी चार साल की हैं. ईशा देओल के तलाक के बाद, एक रिपोर्ट में दावा

किया गया था कि उनके पिता, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र, उनके फैसले से खुश नहीं थे और चाहते थे कि वह अपने पूर्व पति के साथ फिर से जुड़ जाएं. हालांकि तलाक के दौरान ये खबरें भी आई थीं कि भरत का किसी और महिला के साथ रिश्ता है. अब इन बातों में कितनी सच्चाई है, ये कह पाना मुश्किल है.

रामदेव महाराज की "सातवीं शोभा यात्रा में आरडब्ल्यूए की ओर से जलपान व सेवा का विशेष आयोजन"

दिव्य दिल्ली: बाबा रामदेव महाराज की सातवीं भव्य विशाल शोभा यात्रा का आयोजन दिल्ली के मादीपुर में किया गया। जिसे भास्कर भौरी लाल शास्त्री के नेतृत्व में किया गया इस यात्रा में भारी संख्या में लोगो ने भाग लिया और बड़े ही जोश के साथ और धूम धाम से शोभा यात्रा मानते नजर आये। इस यात्रा में सभी सहयोगियों को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। इस यात्रा को मादीपुर बी ब्लॉक से शुरू किया गया और डी ब्लॉक से होते हुए अपनी रथ यात्रा निकाली। जहा आरडब्ल्यूए मुकेश कुमार द्वारा यात्रा में शामिल सभी लोगो के लिए जल पान की वेवस्था की गई। आरडब्ल्यूए की पूरी टीम यात्रा में शामिल सभी लोगो की सेवा करते नजर आये फ्हअ कई समय से सामाजिक कार्य करती आ रही है और और ऐसे धार्मिक कार्य में अपना पूरा सहयोग देती है। इस तरह मादीपुर में आयोजित बाबा रामदेव महाराज की सातवीं शोभा यात्रा ने न केवल धार्मिक आस्था को गहराई दी बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भाव का भी सुंदर संदेश दिया।

मकान की दीवार गिरने से किशोरी की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र में रविवार की सुबह एक घर की कच्ची दीवार गिर गई। मलबे में दबकर एक किशोरी की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तहसील की टीम ने मौका मुआयना देखते हुए अपनी रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दिया है।

कोतवाल शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि उसरापुर मजरे हरदोइया गांव में मनोज कुमार का कच्चा मकान है, जहां रविवार सुबह पांच बजे कच्ची दीवार भर-भराकर गिर गई। मलबे में दबकर मनोज की पुत्री दीपिका (13) घायल हो गई। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर इलाज के दौरान दीपिका को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। घटना के बाद से दीपिका के घर में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी राजस्व विभाग की टीम ने मौका मुआयना कर रिपोर्ट दैवीय आपदा से संबंधित नियमानुसार सहायता पीड़ित प्रदान करने के लिए उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिया है।

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, कई लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में कई लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की जानकारी आ रही है। फिलहाल सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस रेस्क्यू में जुट गई है। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंच गए हैं।

इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना में हुई जनहानि पर अपनी शोक संवेदना प्रकट की है। घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराये जाने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को दिए हैं।

GGSSS BC-BLOCK SULTANPURI ने सफल साइक्लोथॉन का किया आयोजन

GGSSS BC-BLOCK SULTANPURI 1412035 ने 31 अगस्त 2025 को एक सफल साइक्लोथॉन का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों में स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुल्तानपुर माजरा के विधायक माननीय मुकेश कुमार अहलावत जी ने साइकिल चलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस आयोजन में छात्रों, SMC सदस्यों, शिक्षकों, अभिभावकों और सहायक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइकिल चलाने के प्रति अपने जुनून को प्रदर्शित किया। विद्यालय प्रमुख अनिता दीक्षित, NSS इंचार्ज श्रीमती कृष्ण शर्मा और एस्टेट मैनेजर राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। विद्यालय के अन्य अध्यापक सीमा कौशिक, शिल्पी शर्मा और मंदीप सोलंकी ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।स्कूल की NSS स्वयंसेविकाओं ने कार्यक्रम में अपनी पूर्ण सहभागिता दी। GGSSS BC-BLOCK SULTANPURI में साइक्लोथॉन एक बड़ी सफलता थी, जिसने स्कूल समुदाय को स्वास्थ्य, फिटनेस और स्थिरता के उत्सव में एक साथ लाया। इस आयोजन ने छात्रों को अपनी साइकिल चलाने के कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जबकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के महत्व को भी सीखा। इसके सकारात्मक प्रभाव और उत्साही भागीदारी के साथ, साइक्लोथॉन निश्चित रूप से स्कूल के कैलेंडर में एक आवर्ती आयोजन बन जाएगा।

'आर्जव धर्म' का पर्व संपन्न

दिव्य दिल्ली: दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत तृतीय दिवस 'आर्जव धर्म' का पर्व दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परेड ग्राउंड में भव्य धर्मसभा के रूप में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुनि 108 प्रणम्य सागर जी म.सा. के दिव्य दर्शन एवं मंगल आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य हजारों श्रद्धालुओं को मिला। कार्यक्रम में भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के अध्यक्ष समाजरत्न सुभाष ओसवाल जैन, मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. नगेश जैन, उद्योगपति एवं समाजसेवी अशोक पाटनी (आर.के. मार्बल्स एवं वंडर सीमेंट), समाजसेवी सुधीर जैन, उद्योगपति प्रवीण जैन, संघ अध्यक्ष चक्रेश जैन, भाजपा पार्षद मनोज जैन एवं महामंत्री पुनीत जैन सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुभाष ओसवाल जैन व डॉ. नगेश जैन ने पूज्य मुनिवर जी को अस्पताल की नई निर्माण योजना एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी, जिस पर मुनिवर जी ने समाजहित में मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं सुधीर जैन द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान एवं अभिनन्दन किया गया। पूरे आयोजन में आत्मशुद्धि, क्षमाभाव एवं धार्मिक उल्लास की अनुपम छटा देखने को मिली, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहन आत्मिक शांति व ऊर्जा का अनुभव कराया।

वाराणसी में धीमे-धीमे घट रहा गंगा का जलस्तर

वाराणसी। वाराणसी, गाजीपुर, प्रयागराज, मिजार्पुर और बलिया में गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से बाढ़ के हालात बन गए थे। रविवार को केंद्रीय जल आयोग से जारी आंकड़ों के अनुसार बीते नौ घंटे में गंगा का जलस्तर धीमी गति से घट रहा है। बलिया और गाजीपुर में खतरे के निशान के ऊपर बह रही गंगा नदी के तबाही के मंजर में अब कमी आने की उम्मीद है।

वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से .70 मीटर नीचे है और धीरे धीरे घट रहा है। नदी का जलस्तर कम होने पर घाट के किनारे रहने वाले नाविकों में सबसे ज्यादा प्रसन्नता है। वहीं नमो घाट, दशवाशमेध घाट, पंचगंगा घाट, महल घाट इत्यादि पर घूमने आने वाले पर्यटकों में अभी भी मायूसी है।

गाजीपुर में गंगा का जलस्तर घटना के क्रम में खतरे के निशान से मात्र .44 मीटर नीचे ही है। बलिया में गंगा अभी खतरे के निशान के 1.7 मीटर ऊपर है लेकिन वहां भी जलस्तर में कमी आनी शुरू हो गई है। गाजीपुर और बलिया में बाढ़ राहत में जुटी जिला प्रशासन की टीमों ने इससे थोड़ी राहत की सांस ली है।

हिंसा और आगजनी के मामले में नेटवर्क की जांच जारी, डीएम ने कठोर कार्रवाई के दिए संकेत

उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र में दो दिन पहले हुए उपद्रव और आगजनी की गंभीर घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने स्पष्ट किया है कि न केवल मुख्य आरोपियों, बल्कि उनके साथ जुड़े पूरे नेटवर्क और संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को कालपी बस स्टैंड के पास देर रात के समय दो समूहों के बीच झड़प हुई, जो जल्दी ही बवाल और उपद्रव में बदल गई। उपद्रवियों ने कई वाहनों और सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया और आगजनी की घटनाएं भी अंजाम दीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मीडिया को एक आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि घटना की त्वरित और गहन जांच कराई जा रही है। जिलाधिकारी के बताया मामले की गहन जांच करायी जा रही है। मुख्य आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के साथ-साथ इन्हें संरक्षण प्रदान करने वाले लोगों के नेटवर्क भी खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने यह स्पष्ट संदेश दिया कि प्रशासन किसी पर भी रियायत नहीं बरतेगा। जो भी व्यक्ति इस नेटवर्क में संलिप्त पाया जाएगा, उसके विरुद्ध भी विधि अनुसार कठोरतम कार्यवाही की जा रही है। एफआईआर दर्ज करने के बाद सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी का क्रम जारी है।

पूरे मामले को संगठित अपराध के नजरिए से देखा जा रहा है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपियों को किसी का संरक्षण प्राप्त था या नहीं।

जौनपुर जिलाधिकारी ने गौशााला का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने शनिवार को विकास खण्ड बक्शा के सादनपुर अस्थाई गौशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान गौशाा में के लिए मूलभूत व्यवस्थाओं की उपलब्धता का जायजा लिया गया। इस दौरान गौशाला में पर्याप्त मात्रा में भूसा, चोकर, पेयजल, नेपियर घास आदि उपलब्ध चीजें मिली। शेड मे वेंटिलेशन की अच्छी व्यवस्था पायी गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गोवशों को नैपियर घास प्रचुर मात्रा में दिया जाए। गौशाला में पौधरोपण भी किया जाए।

लव कुश रामलीला कमेटी का भूमि पूजन समारोह भव्य रूप से सम्पन्न हुआ

दिव्य दिल्ली : देश की प्रख्यात लव कुश रामलीला कमेटी का भूमि पूजन समारोह रविवार को लालकिला मैदान में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधिविधान के बीच किया। इस अवसर पर वृंदावन, मथुरा और दिल्ली से आए विद्वान ब्राह्मणों ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। कमेटी अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि इस वर्ष रामलीला का भव्य मंचन 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होगा तथा दशहरा पर्व 2 अक्टूबर को पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने सभी अतिथियों को पटका, स्मृति-चिन्ह और गदा भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि लव कुश रामलीला कमेटी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार रामलीला आयोजनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने देगी और इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाएगा कमेटी अध्यक्ष ने दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस लाइसेंस प्रक्रिया समाप्त करना और डीडीए द्वारा मेले हेतु 25-40% ग्राउंड आवंटन कलाकारों एवं आयोजकों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रामलीला हाईटेक डिजिटल मंचन के साथ होगी, जिसका सीधा प्रसारण लगभग 100 देशी-विदेशी चैनलों पर किया जाएगा। इस बार बॉलीवुड के लगभग 40 कलाकार मंचन में हिस्सा लेंगे महासचिव सुभाष गोयल ने बताया कि समारोह में सांसद सुबांसुरी स्वराज, योगेंद्र चंदोलिया, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विधायक अशोक गोयल देवरहा, अनिल शर्मा, पुरंदीप सिंह साहनी, पूर्व विधायक पहलाद सिंह साहनी एवं अनिल भारद्वाज, पूर्व महापौर जयप्रकाश जेपी सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे और सम्मानित किए गए इस अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भूमि पूजन समारोह में कमेटी पदाधिकारी पवन गुप्ता, सत्यभूषण जैन, आर.के. गुप्ता, प्रवीण गोयल, संदीप भूटानी, गौरव गुप्ता, अंकुर गोयल, राजकुमार गुप्ता, गौरव सूरी, लोकेश बंसल, राजेश वर्मा, अनिल गुप्ता, अशोक कुमार, विशाल गुप्ता, राजकुमार कश्यप, संजय वर्मा, मदन अग्रवाल, प्रवीण सिंघल, अतुल गुप्ता, मुकुल गुप्ता, संजय जैन, प्रशांत मलिक, दीनानाथ सोनकर, सुनील कुमार, निशांत गुप्ता, राजा पांडे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उपद्रव के दौरान लापरवाही बरतने पर, पीआरवी में तैनात सिपाहियों को एसपी ने किया सस्पेंड

उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात एक कपल का वीडियो बनाने को लिखकर हिंसा भड़क गई थी इस घटना में दो बाईकों को आग लगा दी गई लेकिन इस दौरान पीआरबी की गाड़ी वहां से गुजरी फिर भी उपद्रवियों को रोकने की कोशिश नहीं की गई। दो घंटे तक चले इस घटनाक्रम में सिपाहियों की लापरवाही सामने आई है आकर वह है कोतवाली में इसकी सूचना पहुंचा देते तो शायद इतना बड़ा हादसा न होता। इसी लापरवाही को देखते हुए शनिवार की देर रात पुलिस अधीक्षक ने पीआरबी में तैनाद तीन जवानों को निलंबित कर दिया है साथ हीं दो होम गार्डों के निलंबन के लिए पत्र लिखा है।

बता दें कि उरई कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात कालपी बस स्टैंड पर एक कपल का वीडियो बनाने को लेकर जमकर बवाल हुआ। इस बवाल में काफी हिंसक झड़प हुई। इसके बाद पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वही जांच के दौरान पता चला कि सुरक्षा में तैनात पीआरबी जवानों के लापरवाही भी सामने आई है। इसी के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक ने 5700 पीआरबी में तैनात आरक्षी अवध किशोर, महिला आरक्षी मधु, महिला आरक्षी भारती चौहान के द्वारा लापरवाही सामने आने पर निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया कि प्रथम दृश्यता लापरवाही सामने आने पर पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है वहीं दो अन्य होमगार्डों के लिए पत्र लिखा गया है।

भावी पैरवी से तीन अभियुक्तों को मिली सजा

बुलन्दशहर। ऑपरेशन कन्विक्शनअभियान के क्रम में पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी कर मारपीट करने के तीन आरोपियों को न्यायालय उठने तक व प्रत्येक को 500 रुपये के अर्थदण्ड की सजा दिलवायी गयी। अभियुक्त बुद्धपाल, विनोद, गम्भीर निवासी ग्राम सरायघासी थाना सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर द्वारा वर्ष-1995 में मनप्यारे निवासी सिकन्द्राबाद को गाली गलौच कर लाठी डंडो से पिटाई की और जान से मारने की धमकी दी थी। 21 जुलाई 1995 को थाना सिकन्द्राबाद में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। अभियोग को पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के अन्तर्गत चिन्हित करते हुए मॉनीटरिंग सेल बुलन्दशहर द्वारा प्रभावी पैरवी कर अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई।

गाजियाबाद में तीन स्थानों पर चली पुलिस व बदमाशों के गोलियां, पांच बदमाश घायल

दो शातिर वाहन चोर समेत सात गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार की रात में तीन अलग-अलग मुठभेड़ में सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चलाई गई गोली से पांच बदमाश घायल हो गए जबकि दो को पुलिस ने कांबिंग कर-के दबोच लिया। सभी घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन बदमाशों में दो बदमाश दिल्ली एनसीआर से वाहन चोरी करके झारखंड, बिहार,गुजरात आदि प्रदेशों में ले जाकर बेचते थे।

एसीपी लिंक रोड श्वेता कुमारी यादव ने रविवार को बताया कि स्वाट टीम और लिंक रोड पुलिस ने संयुक्त रूप से सूर्य नगर रेलवे पुल के पास आमने-सामने से हुई मुठभेड़ के बाद सोंदा मोदीनगर निवासी फारूक सलमानी तथा बेगमाबाद मोदीनगर निवासी शाहनवाज उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चलाई गई गोली से दोनों ही बदमाश घायल हो गए। बदमाशों के कब्जे से दो तमंचे ल,फर्जी नंबर प्लेट लगी दो ब्रेजा कर व कारतूस बरामद हुए हैं। बदमाशों ने पूछताछ पर पुलिस को बताया कि ये लोग गाड़ी चोरियां करके छुपाने जा रहे थे। तभी पुलिस चेकिंग के दौरान पुलिस के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई और गिरफ्तार कर लिए गए । उन्होंने बताया कि यह लोग गाड़ियां चोरी करके झारखंड, बिहार, गुजरात में ले जाकर उनको फर्जी कागजों के आधार पर बेच देते थे।

दूसरी मुठभेड़ कवि नगर थाना क्षेत्र में हुई। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि 25 अगस्त को राजनगर में बदमाश व्यापारी अचल सिंघल के घर पर घुसकर दो मोबाइल फोन में अन्य समान लूट कर ले गए थे। तभी से पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। रविवार की रात में पुलिस ने तीन बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। जिनमे अमरोहा निवासी गुड्डू सैफी तथा हेमसिंह नामक बदमाश घायल हो गए जबकि मोनू शर्मा को पुलिस ने कांबिंग करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने दो तमंचे, कारतूस तथा एक स्विफ्ट दजीरे कर बरामद की है।

प्रयागराज : डम्पर की टक्कर से छात्रा की मौत

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित हंडिया थाना क्षेत्र में रसाय गांव के समीप शनिवार को डम्पर की टक्कर लगने से साइकिल सवार छात्रा की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

सहायक पुलिस आयुक्त हंडिया सुशील कुमार सिंह ने बताया कि हंडिया थाना क्षेत्र के हरचंदपुर गांव निवासी सान्या 17 वर्ष पुत्री राजकुमार उर्फ श्रीराम मौर्य उर्मिला देवी पीजी महाविद्यालय में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। वह प्रतिदिन की भांति शनिवार को कालेज से वापस लौटते समय रास्ते में एक डम्पर ने टक्कर दी। टक्कर से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। परिवार से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

"स्वदेशी अपनाओ-देश बचाओ" अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

औरैया। जनपद के समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति द्वारा रविवार को गौरैया तालाब पार्क, औरैया में स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों ने लोगों को विदेशी वस्तुओं के उपयोग से देश को होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया तथा विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आह्वान किया। उपस्थित लोगों ने स्वदेशी अपनाओ-देश बचाओ, स्वदेशी अपनाओ-विदेशी भगाओ तथा स्वदेशी को अपनाना है, विदेशियों को भगाना है जैसे नारों के साथ जागरूकता फैलाई। समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने बताया कि स्वदेशी का अर्थ अपने देश में निर्मित वस्तुओं के उपयोग से है। वहीं समिति के संस्थापक आनंद नाथ एडवोकेट ने कहा कि विदेशी वस्तुएं खरीदकर हम उनकी आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं, जिससे वे आधुनिक हथियार बनाकर हमारे देश पर हमला करने की ताकत जुटाते हैं। उन्होंने चेताया कि यदि आज हम नहीं जागे तो कल चीन जैसे देश हम पर कब्जा कर सकते हैं।

इसलिए नागरिकों को चाहिए कि वे आतंकवादी गतिविधियों और विभाजनकारी ताकतों से सावधान रहते हुए स्वदेशी को बढ़ावा दें।

संस्थापक ने यह भी घोषणा की कि यह स्वदेशी जन-जागरूकता अभियान शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक निरंतर चलाया जाएगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321